हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 41, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 8 अगस्त, 2023 दिन मंगलवार | गाजीपुर/वाराणसी

मणिपुर हिंसा पर अखिलेश यादव ने सीएम योगी को घेरा

बोले – बयान देकर देश की आवाज बनें, हम समर्थन करेंगे

लखनऊ। यूपी में सोमवार से विधानमंडल का मानसून सत्र शुरू हो गया। सत्र के पहले दिन कार्यवाही हंगामे के साथ शुरू हुई। सपा नेताओं ने मणिपुर हिंसा को लेकर यूपी विधानसभा में निंदा प्रस्ताव लाने की मांग की। इसे लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आज मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई जघन्य घटना पर पूरी दुनिया में निंदा हो रही है। हम आप अमेरिका-यूरोप निवेश लाने के लिए गए। वहां पर इसकी चर्चा हो रही है। अब इसकी चर्चा यूपी विधानसभा में भी करवाई जाए। उन्होंने मांग की कि मणिपुर हिंसा पर यूपी विधानसभा में निंदा प्रस्ताव लाया जाए और नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बयान देना चाहिए। अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज सकते हुए कहा कि वो भाजपा के मुख्यमंत्री हैं। मैं उनकी मजबूरी समझ सकता हूं। मणिपुर हिंसा पर बोलकर वो देश की आवाज बन जाएं। हम भी उनका समर्थन करेंगे। इस पर सदन में हंगामा होने लगा। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने स्थिति को संभालते हुए कहा कि हम दूसरे राज्यों की यहां पर चर्चा नहीं कर सकते। नहीं तो कल कोई कहेगा कि बंगाल में हिंसा की या केरल की किसी घटना पर चर्चा हो। उन्होंने सदन के सभी सदस्यों से अपने क्षेत्रों से जुड़े सवालों को उठाने की अपील की।

मुख्यमंत्री बोले, हम स्वस्थ चर्चा के लिए तैयार– यूपी विधानमंडल सत्र की कार्यवाही शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रदेश के समग्र विकास एवं जनसमस्याओं के समाधान के लिए हम विधानमंडल की कार्रवाई में स्वस्थ चर्चा के लिए तैयार हैं। इसके लिए सर्वदलीय नेताओं की बैठक में सरकार की ओर से सार्थक चर्चा के लिए आवाह्न किया गया। साथ ही सरकार सभी दलों के सदस्यों के उनके सवालों के जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

उन्होंने कहा कि सदन आम जनमानस से जुड़ी समस्याओं को रखने एवं इस ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का महत्वपूर्ण मंच है। ऐसे में सदन में एक स्वस्थ चर्चा के लिए सरकार पूरी तरह से तैयार है। ऐसे में सदन को सार्थक चर्चा का विषय बनाना चाहिये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश ने पिछले 6 वर्षों में विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। इन 6 वर्षों के दौरान प्रदेश के परसेप्शन को बदलकर नौजवानों, नागरिकों के सामने कुत्सित राजनीति के कारणों से जो उनके सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था, उस पहचान के संकट से मुक्त करते हुए प्रदेश को देश के एक प्रमुख राज्य के रूप में स्थापित करने में पूरी सफलता प्राप्त हुई है। एक तरफ जहां इसे आगे बढ़ाने में सफलता प्राप्त हुई है, वहीं प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दोगुना करने के साथ प्रति व्यक्ति आय को भी दोगुना करने में सफलता प्राप्त हुई है।

पाकिस्तान ने रोकी ईरान के साथ वाली अरबों डॉलर की गैस पाइपलाइन परियोजना, अमेरिकी दबाव में लिया फैसला

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने ईरान के साथ अरबों डॉलर के गैस पाइपलाइन समझौते पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अमेरिका के दबाव के चलते पाकिस्तान ने यह फैसला लिया है। बता दें कि ईरान के साथ गैस पाइपलाइन योजना से पाकिस्तान को सस्ती गैस मिलनी थी, लेकिन ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते पाकिस्तान इस परियोजना से फिलहाल पीछे हट गया है। पाकिस्तान इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। ऐसे में तीन अरब डॉलर के लोन के लिए पाकिस्तानी सरकार की अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से बातचीत चल रही है। माना जा रहा है कि आईएमएफ से डील में कोई परेशानी ना हो, इसलिए पाकिस्तान, ईरान गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट से बाहर निकल गया है। पहले इस गैस पाइपलाइन परियोजना में भारत भी शामिल था लेकिन बाद में भारत इस डील से बाहर आ गया था। पाकिस्तानी मीडिया ने बताया है कि 'बाहरी दबाव' के चलते इस्लामाबाद ने ईरान गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट पर रोक लगाई है। पाकिस्तान तब तक इस परियोजना पर आगे नहीं बढ़ पाएगा, जब तक ईरान को अमेरिकी प्रतिबंधों से राहत नहीं मिल जाती या फिर अमेरिका चुपचाप, पाकिस्तान को इसकी मंजूरी नहीं दे देता।

देश की सीमाओं को किया जा रहा मजूबत, विदेश मंत्री बोले- भूटान व असम के बीच रेल लिंक पर बातचीत जारी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भूटान और असम को जोड़ने वाले रेल लिंक पर चर्चा चल रही है। वहीं, उन्होंने म्यामांर के साथ जुड़ी सीमा को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं को मजूबत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम भूटान और असम के बीच रेल मार्ग बनाने पर बातचीत कर रहे हैं। भूटान पर्यटकों के लिए और अधिक प्वाइंट खोलने के लिए बहुत उत्सुक है और यह असम के लिए बहुत अच्छा है। उन्होंने आगे कहा कि जहां तक भूटान-चीन वार्ता का सवाल है, वे बातचीत कर रहे हैं और 24 दौर पूरे हो चुके हैं। अभी वे लोग और बातचीत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम उनकी वार्ता पर नजर रखे हुए हैं कि इसका हमारे ऊपर क्या प्रभाव पड़ सकता है। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि म्यांमार के साथ सीमा की स्थिति चुनौतीपूर्ण है। सिटवे बंदरगाह चालू है और हमें उम्मीद है कि इस साल तटीय शिपिंग समझौता संपन्न हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कानून और व्यवस्था की स्थिति के कारण म्यांमार त्रिपक्षीय राजमार्ग एक बड़ी चुनौती है। हम चुनौतियों से निपटने के लिए म्यांमार के अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने चीन के साथ बिगड़े रिश्तों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भारत-चीन सीमा वार्ता नहीं रुकी है। इस पर जल्द बैठक होगी। हमने पिछले तीन वर्षों में सीमा पर बने तनाव के मामले में काफी सुधार किया है। उन्होंने कहा कि साल 2014 के बाद, जब सीमा पर बुनियादी ढांचे पर बड़ा जोर दिया गया तो चीन की ओर से प्रतिस्पर्धा और गश्त बढ़ गई।

यूपी में आज से चार दिन नहीं जमा होंगे बिजली के बिल, न ही बकाया बिल पर कनेक्शन काटा जाएगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मंगलवार की सुबह से लखनऊ समेत सभी ऑनलाइन बिलिंग केंद्रों पर चार दिन (10 अगस्त) तक बिजली बिल जमा नहीं हो सकेंगे और न ही गलत रीडिंग के बिल का संशोधन हो सकेगा। साथ ही, कार्यालयों के कामकाज पर भी असर पड़ेगा। इससे लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, बरेली, अलीगंज, झांसी, बरेली, मेरठ एवं गाजियाबाद सहित सभी जनपदों के शहरी एवं ग्रामीण उपभोक्ता बिजली का बिल जमा नहीं कर पाएंगे। हालांकि ऑनलाइन बिजली बिल पेमेंट करने वालों की सुविधा तो सात अगस्त की रात 10:00 बजे से ही बंद कर दी जाएगी। इस संबंध में यूपी पावर कारपोरेशन के निदेशक (आईटी) सौर्वजीत घोष ने पूर्वांचल वाराणसी, मध्यांचल लखनऊ, पश्चिमांचल मेरठ, दक्षिणांचल आगरा और केस्को विद्युत वितरण निगम कानपुर के प्रबंध निदेशक को सरकुलर भेज कर बिजली बिल के भुगतान में आए व्यवधान की सूचना भेज दी है।

सावन के पांचवे सोमवार पर उमड़ी भक्तों की भीड़ हर- हर महादेव के जयकारे से गूंज रही राम नगरी

अयोध्या। सावन के पांचवे सोमवार पर राम नगरी के शिवालयों में शिव भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। भोर से ही श्रद्धालुओं का रेला लगा रहा। आस्था और उल्लास के साथ शिव भक्तों ने जलाभिषेक किया। भारी बारिश के बीच भक्तों की आस्था का सैलाब दिखा। सुबह से हर- हर महादेव के जयकारे से राम नगरी गूंज रही है।

बारिश पर आस्था भारी– सावन का पांचवा सोमवार आज है। इस बार का सावन बेहद अद्भुत बताया जा रहा है। ऐसे में शिव भक्तों का रेला सुबह से शिवालयों में लग रहा है। भगवान राम की नगरी में भारी बारिश के बीच सुबह से आस्था का सैलाब दिख रहा है। सुबह से ही पौराणिक पीठ नागेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक का दौर चल रहा है। सरयू में स्नान कर श्रद्धालु नागेश्वरनाथ में जलाभिषेक कर रहे हैं।

सुरक्षा के व्यापक इंतजाम– सरयू के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए भक्तों की सुरक्षा को लेकर नदी में बैरीकेडिंग कराई गई है। जल पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं। सरयू में सुरक्षित स्नान कर मठ मंदिरों में श्रद्धालु दर्शन पूजन कर रहे हैं। सरयू तट से नागेश्वरनाथ मंदिर तक प्रशासन ने रूट तय किया है। वहीं भीड़ अधिक होने के चलते जलाभिषेक के लिए छोटे-छोटे टुकड़ों में श्रद्धालुओं को छोड़ा जा रहा है। सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं।

दिल्ली एम्स में आग के बीच मची अफरा-तफरी इमरजेंसी वार्ड से सुरक्षित निकाले गए मरीज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित एम्स के एंडोस्कोपी रूम में सोमवार को भीषण आग लग गई। आग लगने की जानकारी लगते ही अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। ताजा जानकारी के मुताबिक, एम्स में आग पर काबू पा लिया गया है। एंडोस्कोपी रूम से सभी मरीज सुरक्षित निकाल लिए गए हैं। आग लगने की घटना के बाद एम्स में आपातकालीन वार्ड भी अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। आग बुझाने के बाद अग्निशमन विभाग की गाड़ियां वापस लौट रही हैं। अभी एहतियात के तौर पर कुछ देर के लिए एम्स परिसर के अंदर प्रवेश बंद किया गया है। आग एक स्टोर रूम में लगी थी। फिलहाल पूरी घटना में कोई घायल नहीं हुआ या मौत नहीं है। अग्निशमन विभाग के अधिकारी वेदपाल शिकारा ने बताया कि जहां आग लगी थी वह एक स्टोर था। इसके चलते किसी मरीज के साथ कोई अनहोनी नहीं हुई है। इससे पहले दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को यहां एम्स के इमरजेंसी वार्ड के पास आग लग गई। आग लगने की सूचना सुबह करीब 11.54 बजे मिली, जिसके बाद दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। आग ओल्ड ओपीडी की दूसरी मंजिल पर इमरजेंसी वार्ड के ऊपर स्थित एंडोस्कोपी रूम में लगी थी।

प्रयागराज में डकैतों का आंतकः व्यापारी के घर में लाखों की लूट, सुरक्षा गार्ड की हत्या; पांच गंभीर रूप से घायल

प्रयागराज। थरवई के हेतापट्टी बाजार में रविवार रात डकैतों ने एक व्यापारी के यहां डकैती डाली। वह जैसे ही घर से बाहर निकले बाजार के सुरक्षा गार्ड की उन पर नजर पड़ गई। टोकने पर उसकी धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। उसकी पत्नी व नातिन को भी मारकर घायल कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। बाजार में व्यापारियों की भीड़ लग गई। आनन-फानन में घायलों को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया। हेतापट्टी बाजार के अशोक केसरवानी की कपड़े और आभूषण की दुकान है। इसी के पीछे घर में परिवार के साथ रहते हैं। अशोक केसरवानी को रविवार रात 1:00 बजे के बाद कुछ लोगों की आवाज सुनाई दी। वह जैसे ही बाहर निकले, आधा दर्जन डकैतों ने उन्हें दबोच लिया। उनकी दुकान से कई लाख रुपये के गहने और करीब दो लाख नगद लूट लिया।

अशोक केसरवानी को बदमाशों ने तमंचे की बट से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उनके भाई संतोष केसरवानी के भी कमरे का दरवाजा खुलवाया और लूटपाट की। जाते समय बदमाशों ने संतोष केसरवानी व उनकी पत्नी को भी मारपीट कर घायल कर दिया। यहां से डकैत जैसे ही बाहर निकले कि उन पर सुरक्षा गार्ड रामकृपाल पाल की नजर पड़ गई। उसने उन्हें टोका तो नकाबपोश डकैतों ने उसकी हत्या कर दी। रामकृपाल की पत्नी पंचू देवी व नातिन आंचल पाल को मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सूचना पर रात 2:30 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया।

यूपी विधानमंडल सत्रः महंगाई के खिलाफ सपा नेता का अनोखा प्रदर्शन, टमाटर की माला पहनकर सदन पहुंचे

लखनऊ। यूपी विधानमंडल का सत्र आज से शुरू हो रहा है। सत्ता पक्ष ने अलग-अलग मुद्दों पर जवाब देने की तो विपक्ष ने सरकार को घेरने की रणनीति बना ली है। सपा ने पहले ही तय कर लिया था कि पार्टी महंगाई और मणिपुर हिंसा के मामले को उठाएगी। सोमवार को सत्र के पहले दिन सपा के विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा टमाटर की माला पहनकर साइकिल से विधानसभा पहुंचे। उन्होंने टमाटर के लगातार बढ़ते दामों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। इससे आम लोगों के लिए अपना घर चलाना मुश्किल हो गया है। इस समय खुदरा बाजार में टमाटर के दाम 200 से प्रति किलो से भी ज्यादा हो गए हैं। सपा कार्यकर्ता विधानभवन के सामने चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास प्रदर्शन कर रहे हैं। विधानमंडल के मानसून सत्र में पहले दिन प्रश्नकाल के बाद करीब 13 विधेयक सदन के पटल पर रखने की तैयारी है। इसमें विधानसभा की नई नियमावली भी पेश की जाएगी। लेकिन, समाजवादी पार्टी ने मणिपुर की घटना सहित प्रदेश से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है। सत्ता पक्ष शायद ही ऐसा स्वीकार करे।

राहुल गांधी की संसद में वापसी पर भाजपा ने कसा तंज, कांग्रेस ने लोकसभा स्पीकर से की शिकायत

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल कर दी गई। इसी पर कटाक्ष करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि चलो मनोरंजन वापस आ गया। इतना ही नहीं, भाजपा नेता ने सदन के अंदर भी राहुल की वापसी और कांग्रेस पर निशाने साधे। इसे लेकर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने लोकसभा अध्यक्ष से शिकायत की है। गौरतलब है, 'मोदी सरनेम' मामले में सुप्रीम कोर्ट से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सजा पर रोक के बाद लोकसभा सचिवालय ने सदस्यता बहाल कर दी। बता दें, राहुल गांधी वायनाड से सांसद है। लोकसभा की सदस्यता बहाल होने के बाद सोमवार को राहुल गांधी संसद में पहुंचे, जहां पार्टी कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया तो वहीं भाजपा नेताओं ने तंज कसे। दरअसल, संसद के बाहर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे से पत्रकारों ने सवाल किया कि राहुल गांधी ने कई बार कहा है कि सदन में कहने को उनके पास बहुत कुछ है। इस पर दुबे ने कहा कि मनोरंजन वापस आ गया है। अच्छा होगा कि हम और आप इसका मजा लें। सदस्यता बहाल होने के बाद राहुल गांधी संसद पहुंचे। इस दौरान विपक्षी गठबंधन I.N.D.I.A के नेताओं ने संसद भवन परिसर में लगाए राहुल गांधी के समर्थन और विपक्षी एकता के नारे। वहीं, लोकसभा से पास होने के बाद आज संसद के उच्च सदन राज्यसभा में दिल्ली सेवा विधेयक पेश किया जाएगा। राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाली पर भाजपा नेता सुशील मोदी ने कहा कि वह (राहुल गांधी) अभी भी आरोप मुक्त नहीं हुए हैं और सिर्फ उनकी सजा पर रोक लगी है। कोर्ट में उनकी याचिका अभी भी लंबित है और यह एक सामान्य प्रक्रिया है। सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि राहुल गांधी की टिप्पणी सही नहीं थी। सुशील मोदी ने कहा कि राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल होने से कांग्रेस को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने आज लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की टिप्पणियों के संबंध में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखा है। उन्होंने मांग की है कि नियम 380 के तहत दुबे की टिप्पणियों को पूरी तरह से हटा दिया जाए और इस बात की जांच की जाए कि इस तरह के आरोप को रिकॉर्ड पर लाने की अनुमति कैसे दी गई।

इमरान खान को जेल में मिल रहीं बी-क्लास सुविधाएं, वकीलों से मिलने की भी इजाजत नहीं

पाकिस्तान। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के चेयरमैन इमरान खान तोशाखाना मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद अटक जेल में बंद हैं। अब उनकी पार्टी पीटीआई ने आरोप लगाया है कि जेल में खान को बी-क्लास की सुविधाएं दी जा रही हैं। पाकिस्तान के अखबार डॉन के मुताबिक, इमरान खान के वकील ने आरोप लगाया कि पीटीआई अध्यक्ष को वकीलों से भी मिलने नहीं दिया गया। डॉन ने बताया है कि इमरान खान को अटक जेल में स्थानांतरित करने की योजना के बारे में जेल अधिकारियों को बिल्कुल अंधेरे में रखा गया था। वे उम्मीद कर रहे थे कि पूर्व प्रधानमंत्री को अदियाला जेल ले जाया जाएगा, लेकिन उन्हें योजना में बदलाव के बारे में तब पता चला जब पीटीआई अध्यक्ष को अटक जेल से बाहर लाया गया। कानूनी मामलों पर इमरान खान के सहयोगी नईम हैदर पंजोथा ने बताया कि जेल को उनके वकीलों या स्थानीय लोगों के लिए नो एंट्री क्षेत्र में बदल दिया गया है। कानूनी टीम ने कहा कि वे इमरान खान से संपर्क करके उन्हें कपड़े, खाना और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध कराना चाहते थे और उनके हस्ताक्षर भी लेना चाहते थे। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने पीटीआई अध्यक्ष के साथ बैठक की अनुमति नहीं दी और वकीलों को पावर ऑफ अटॉर्नी लेने के लिए सोमवार को वापस आने को कहा।

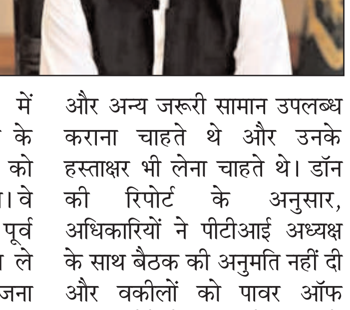

संपादकीय

जनता की कमाई पर अधिकारियों की ऐश, कागजों पर आंकड़ों की जादूगरी

भारत सरकार रूस से 90 लाख मैट्रिक टन गेहूं खरीदने जा रही है। रूस से गेहूं आयात का क्या कारण है। भारत रूस से गेहूं खरीदेगी तो उसे भुगतान भी करना होगा। भारत सरकार का आयात और निर्यात मे असंतुलन बहुत ज्यादा हो गया है। निर्यात कम है, आयात ज्यादा है। विदेशी मुद्रा का संकट भी बढ़ता जा रहा है। इसके बाद भी रूस से गेहूं जैसी वस्तु आयात की जा रही है। अभी तक हम गेहूं के निर्यात की बात करते थे। देश में सरकारी खरीद में जो अनाज उत्पन्न होता है। हर साल दो करोड़ 10 लाख मेट्रिक टन अनाज भंडारण की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बर्बाद हो जाता है। बड़े-बड़े अधिकारी और कृषि मंत्रालय से जुड़े हुए अधिकारी कागजों पर गेहूं का रकबा घटाने और बढ़ाने का खेल कागजों में करते हैं। सरकारी खरीद के माध्यम से गेहूं और अन्य अनाजों का जो भंडारण किया जाता है। खरीदी के बाद उसका सही तरीके से भंडारण नहीं हो पाता है। खेतों में ही रखा रखा सड जाता है। गोदाम में भी गेहूं, चावल एवं अन्य अनाज सड़ने की शिकायत हर साल समाचार पत्रों में देखने को मिलती हैं। इसके बाद भी जनता के पैसे से, किसान के श्रम से, धरती मैया की कोख से जो अनाज उत्पन्न होता है। जो अनाज लाखों करोड़ों लोगों की भूख को शांत करता है। सरकार और उनके अधिकारी उसको सुरक्षित भी नहीं रख पाते हैं। अनाज खराब हो जाने पर उनके ऊपर कोई जिम्मेदारी भी नहीं आती है। जनता के पैसे से ऐश करने के लिए आयात और निर्यात का खेल पिछले दो दशक से भारत में बड़े पैमाने पर शुरू है। जब फसल आती है, उस समय उसका रखरखाव नहीं किया जाता है। करोड़ों टन अनाज बर्बाद हो जाता है। उसके बाद आयात और निर्यात का खेल कर बड़े पैमाने पर अवैध कमाई करने का धंधा जोरों पर है। अधिकारियों की लापरवाही और गैर जिम्मेदारी से लाखों टन अनाज, सुरक्षित तरीके से भंडारण नहीं करने पर सड़ जाता है। सड़ता कम है, जानबूझकर सड़ाया जाता है? अनाज सड़ा हुआ बताकर करोड़ों अरबों रुपए का वारा न्यारा, इस प्रक्रिया से जुड़े हुए अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। हर साल नए नए तरीके के आंकड़े आ जाते हैं। अधिकारी अपनी सुविधा के अनुसार ऑफिस में बैठकर कागजों पर आंकड़ों की खेती कर लेते हैं। सरकार भी उन आंकड़ों के आधार पर निर्णय करती है। हाल ही में रूस से गेहूं आयात का जो निर्णय सरकार ने लिया है। वह चौंकाने वाला निर्णय है। पहले सरकार गेहूं का निर्यात करती है। बाद में आयात करती है। भारत में इतने वर्षों के बाद भी अनाज, फल, सब्जी, तिलहन, दलहन के भंडारण की व्यवस्था अच्छी हो। इसकी तरफ अधिकारियों और सरकार का ध्यान नहीं होता है। एक ओर वेयरहाउस खाली पड़े रहते हैं। खुले में भंडारण किया जाता है। जानबूझकर अनाज और खाद्यान्न को सड़ाकर धरती मैया और धरती पुत्रों का अपमान करने की यह परम्परा खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। सरकार के आंकड़ों की जादूगरी भी इस फजीर्वाड़े में बड़ा योगदान है। सरकारी आंकड़ों में 2022 का गेहूं का उत्पादन 107.7 मिलियन मेट्रिक टन था। जो इस वर्ष बढ़कर 112.7 मिलियन मेट्रिक टन हो गया। विदेशी न्यूज एजेंसी रायटर्स का दावा है, कि वास्तविक उत्पादन सरकारी अनुमान से 10 फीसदी कम हुआ है। जिसके कारण भारत सरकार को गेहूं का आयात करना पड़ रहा है। राइटर्स के अनुसार भारत को जितने गेहूं की आवश्यकता भारत की आंतरिक जरूरत के लिए है। भंडारण में भारत के पास गेहूं का भंडारण जरूरत के अनुसार ही है। गेहूं का रिजर्व भंडार पहले की तुलना में बहुत कम हो गया है। जिसके कारण भारत सरकार की चिंता बढ़ गई है। सरकारी अनुमान के अनुसार वर्ष 2023-24 में 330 मिलियन मेट्रिक टन खाद्यान का उत्पादन होगा। भारत की सकल भंडारण क्षमता मात्र 44 फीसदी है। खाद्यान्न में सरकारी आंकड़ों की जो जादूगरी हो रही है। जो अव्यवस्था जानबूझकर बनाई गई है।

हुए हैं बहाल !

हुए हैं बहाल !

आ गए हैं काम पर ।
हुए हैं बहाल ।।
अंदर जाकर पूछेंगे ।
कभी भी सवाल ।।
मिल रहीं बधाईयां ।
सत्य गया है जीत ।।
झूम रहे प्रशंसक ।
रही है जिनसे प्रीति ।।
सजग रह कर टिप्पणी ।
आगे रहने वाली ।।
ना आ जाए सूखा ।
है मिली हरियाली ।।
धीरे धीरे संयमित ।
करना फिर प्रहार ।।

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान कर रहे हैं भारत के आर्थिक विकास पर भरोसा

हाल ही में कई अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों ने भारत के भविष्य में होने वाले आर्थिक विकास को लेकर प्रतिवेदन जारी किए हैं। वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं में आने वाली आर्थिक मंदी की आशंकाओं के बीच इन प्रतिवेदनों में भारतीय अर्थव्यवस्था को पूरे विश्व के लिए भविष्य का एक चमकता सितारा बताया गया है। अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरेज संस्था मॉर्गन स्टैनली का कहना है कि भारत निश्चित ही विकास की एक लम्बी लहर के शुरूआती दौर में पहुंच गया है, और विकास की यह लहर लम्बे समय तक चलने वाली है। उक्त संस्था का मानना है कि भारत के मैक्रो संकेतक लचीले बने हुए हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था इस वर्ष 6.2 प्रतिशत की विकास दर हासिल करने की ओर दृढ़ता से आगे बढ़ रही है। संस्था ने भारत का स्टेट्स अंडरवेट रेटिंग के बाद बराबर रेटिंग से भी आगे बढ़ाते हुए ओवरवेट रेटिंग में कर दिया है। क्योंकि, संस्था को उम्मीद है कि भारत की अर्थव्यवस्था भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करती रहेगी। संस्था की प्रक्रिया में भारत पूरे विश्व में अपने 6ठवें स्थान से पहिले स्थान पर पहुंच गया है।

अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल ने भी भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर एक प्रतिवेदन जारी किया है। जिसमें, बताया गया है कि वित्त वर्ष 2030-31 तक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 6.7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा, वर्तमान में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 3.7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। वित्तीय वर्ष 2023-24 से लेकर वित्तीय वर्ष 2030-31 तक भारतीय अर्थव्यवस्था 6.7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से आगे बढ़ेगी। इस विकास दर के चलते भारतीय नागरिकों की प्रति व्यक्ति आय वर्तमान के स्तर 2,500 अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष से बढ़कर वर्ष 2031-32 तक 4,500 अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष हो जाएगी।

हालांकि इसके लिए देश की अर्थव्यवस्था में मातृशक्ति की भागीदारी बढ़ाने की बात की गई है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत के कुल वर्कफोर्स में मातृशक्ति की भागीदारी केवल 24 प्रतिशत थी। प्रतिवेदन में आगे यह भी कहा गया है कि भारत के लिए सेवा क्षेत्र से निर्यात आर्थिक विकास के लिए सबसे बड़ा इंजिन साबित होने जा रहा है।

एसएंडपी ग्लोबल के अनुसार, वर्ष 2030 तक स्टार्टअप के क्षेत्र में वेंचर कैपिटल फंडिंग वर्तमान की तुलना में दोगुनी हो जाएगी। इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स, स्पेस टेक्नोलोजी, आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस, ड्रोंस रोबोटिक्स और क्लीन टेक्नोलाजी जैसे नए क्षेत्रों में भारत को सबसे अच्छा लाभ मिलने वाला है। इन क्षेत्रों में होने वाला पूंजी निवेश वर्तमान में चालू दशक के अंत तक भारत की औसतन 6.7 प्रतिशत की विकास दर में 53 प्रतिशत की हिस्सेदारी करने वाला है। साथ ही, भारत के उपभोक्ता बाजार का आकार भी वर्ष 2022 के 2.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की तुलना में वर्ष 2031 बढ़कर 5.2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा, अर्थात वर्तमान की तुलना में दुगने से भी अधिक आकार का।

वैश्विक सलाहकार संस्था अर्नस्ट एंड यंग (ई वाय) ने इंडिया एट 100: रीयलाईजिंग द पोटेंशियल आफ 26 ट्रिलियन डॉलर इकानोमीह्व नाम से जारी एक विशेष प्रतिवेदन के माध्यम से बताया है कि कोरोना महामारी, रूस यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध एवं वैश्विक आर्थिक संकट के बीच भी, भारत के अमृत काल के दौरान, वर्ष 2047 तक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 26 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। शीघ्र ही, वर्ष 2028 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं वर्ष 2036 में 10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। उक्त रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2047 में प्रत्येक भारतीय की प्रति व्यक्ति वार्षिक औसत आय 15,000 अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगी, ये आज के स्तर से 7 गुना से भी अधिक है। वर्ष 2030 तक भारतीय अर्थव्यवस्था जर्मनी और जापान की अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन जाएगी। दरअसल भारत में भारी क्षमताएं मौजूद हैं और आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक प्रगति पूरे वैश्विक आर्थिक मंच को प्रभावित करने जा रही है।

फायनांशियल टाइम्स के मुख्य अर्थशास्त्री श्री मार्टिन वुल्फ ने भारतीय अर्थव्यवस्था की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि अब यह लगभग निश्चित आभास होने लगा है कि आगे आने वाले लम्बे समय (10 से 20 वर्षों के दौरान) तक भारतीय अर्थव्यवस्था पूरे विश्व में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। कोरोना महामारी के बाद की विषम परिस्थितियों में भारत सरकार ने न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था को सम्हाला है बल्कि अन्य देशों की मदद के लिए भी इस दौरान अपना हाथ आगे बढ़ाया है। इन्हीं कारणों के चलते वैश्विक स्तर पर कई अर्थशास्त्री भारत की आर्थिक नीतियों की तारीफ करते हुए दिखाई दिए हैं। एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय निवेश प्रबंधन एवं वित्तीय सेवा कम्पनी मोर्गन स्टेनली के अर्थशास्त्रियों ने भी एक प्रतिवेदन जारी कर कहा है कि वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास की दृष्टि से अगला दशक भारत का होने जा रहा है। इस सम्बंध में उक्त प्रतिवेदन में कई कारण गिनाए गए हैं, जिनके चलते भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार वर्तमान स्तर 3.50 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2031 तक 7.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच जाएगा और इस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी।

मां गंगा के तट पर कलाकारों ने गायन एवं वादन की अद्भुत प्रस्तुति प्रस्तुत की

प्रखर वाराणसी। श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि में सुबह- ए - बनारस के मंच पर काशीकेय संस्कृति के नवीन स्वरूप से जन सामान्य को अवगत कराने एवं भावी पीढ़ी को सशक्त मंच प्रदान करने के उद्देश्य से "काशी रस" कार्यक्रम की स्थापना की गई। इस कार्यक्रम की परिकल्पना पुलिस कमिश्नर वाराणसी श्री अशोक मुथा जैन की है पूर्ण सहयोग का आश्वासन सुबह- ए- बनारस के सचिव एवं संस्थापक डॉ रत्नेश शर्मा ने दिया है। मां गंगा के तट पर कलाकारों ने गायन एवं वादन की अद्भुत प्रस्तुति प्रस्तुत की। गायन पर सुश्री दिव्या दुबे, तबले पर मोती शर्मा, ढोलक पर शनि प्रसन्ना, बैंजो पर हीरा प्रसन्ना, पैड पर शुभम गुप्ता की उपस्थिति रही। संचालन सीमा केशरी ने किया संयोजन पंडित अंशुमान ने किया।

बिंद्रा बाजार से खरिहानी बाजार सड़क पर अतिक्रमण को लेकर चलाया जा रहे अभियान में पूर्व राज्य मंत्री के आवास पर अधिकारियों की बैठक

प्रखर गोसाई की बाजार/आजमगढ़। बिंद्रा बाजार से लेकर खरिहानी बाजार के चौड़ीकरण को लेकर लोगों को नोटिस और अलाउंस के माध्यम से 5 अगस्त से अपने घरों के सामने किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए चेतावनी दी गई थी जिस पर बाजार के सैकड़ों की संख्या में लोग बिंद्रा बाजार के लोग पूर्व राज्य मंत्री बिंद्रा बाजार निवासी पूर्व राज्यमंत्री डॉ कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा के आवास पर पहुंचे और अपनी व्यथा को बताया जिस पर सोमवार की सुबह अधिकारियों की टीम और बाजार वासियो के साथ पूर्व राज्य मंत्री के आवास पर बैठक हुई।जिसमें उप जिलाधिकारी संत रंजन ने बताया कि मुख्य तिराहे से लेकर 200 मीटर दूरी पर सभी लोग अपना अतिक्रमण पूरी साफ करले , एक्सियन पीडब्ल्यूडी विमल श्रीवास्तव द्वारा कहा गया कि बाजार में जो गंदगी नाली के अभाव मे है उसे उच्च अधिकारियों के बजट बनाकर भेज दिया जाएगा ताकि जल्द ही सुंदरीकरण हो।वहीं पूर्व राज्यमंत्री ने लोगों से अपील भी किया कि अपने सामने लगे हुए अतिक्रमण को हटाने और शासन के कार्य में सहयोग करें। इस मौके पर थानाध्यक्ष स्वतंत्र कुमार सिंह , एइ आर के विश्वकर्मा,एसडीओ बिजली विभाग सुधीर मल बिसेन, लेखपाल रामप्यारे यादव, अजय विश्वकर्मा, लल्लून गुप्ता,सन्तोस, अशोक गुप्ता, समेत सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे बैठक के बाद एसडीएम ने बाजार का भ्रमण कर लोगों को रोड से और तिराहे से अतिक्रमण हटाने को कहा और सभी टैक्सी स्टैंड के ड्राइवरों को अवगत कराया कि 200 मीटर की दूरी पर गाड़ी खड़ी करेंगे।

सोनार समाज के अध्यक्ष बने भानु प्रकाश सेठ

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पूर्वांचल स्तरीय सोनार समाज महासम्मेलन की सफलता और समाज को संगठित करने हेतु सोमवार को फूलपुर बाजार में बैठक हुई। बैठक में उपस्थित सोनार समाज के लोग फूलपुर सोनार समाज विकास एसोसिएशन का अध्यक्ष भानुप्रकाश सेठ के बनने पर प्रसन्ना जाहिर करते हुए समाज को एकजुट करने का संकल्प लिया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार सोनी, रमेश सेठ,संतोष सेठ, चंद्रप्रकाश सेठ, किशमिश सेठ, अजय सेठ समेत अनेक लोग रहे।

करप्शन-परिवारवाद और सियासत

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू यादव और उनके परिवार को बड़ा झटका लगा है। जमीन के बदले नौकरी घोटाले को लेकर ईडी ने लालू यादव और उनके परिवार की संपत्ति अटैच किया है। इसमें गाजियाबाद और बिहार की संपत्ति शामिल है। इसके अलावा ईडी ने यूपी में लालू यादव की बेटी हेमा यादव की संपत्ति को भी जब्त किया है, साथ ही ईडी ने तेजस्वी यादव के दिल्ली स्थित डी ब्लॉक वाली प्रॉपर्टी को भी अटैच किया है। जब्त की गई संपत्तियों की कीमत 6 करोड़ से अधिक बताई जा रही है। इस केस को लेकर ईडी लालू राबड़ी और तेजस्वी समेत परिवार के कई सदस्यों से पूछताछ कर चुका है। लालू यादव कभी सर्वेंट क्वार्टर में रहते थे, लेकिन आज उनके परिवार के नाम करोड़ों की संपत्ति है। यह सब उन्होंने हासिल किया सत्ता की सीढ़ियां चढ़ते और घोटालों को अंजाम देकर। घोटालों की फेहरिस्त लंबी है, इनमें चारा घोटाला, मिट्टी घोटाला, जमीन के बदले नौकरी घोटाला और बेनामी संपत्ति प्रमुख रूप से शामिल हैं। केवल चारा घोटाले में ही कुल 950 करोड़ रुपये के गबन किए जाने का आरोप है। लालू और उनके परिवार के खिलाफ हुई इस कार्रवाई से सियासत गरमा गयी है।

लालू यादव आरंभ के दिनों में बिहार की राजधानी पटना में सर्वेंट क्वार्टर में रहते थे। उनके बड़े भाई पटना के बिहार वेटरनरी कॉलेज में चपरासी थे। कॉलेज के ही सर्वेंट क्वॉर्टर में रहते थे। यहीं से लालू 10 अ नंबर की बस पकड़कर बीए की पढ़ाई करने बिहार नेशनल कॉलेज जाते थे। जहां पर उनकी राजनीतिक करियर की शुरूआत हुई। सर्वेंट क्वार्टर में रहना कोई शर्मिंदगी की बात नहीं है। काम कोई भी छोटा या बड़ा नहीं होता। लेकिन सवाल तब उठता है जब सर्वेंट क्वार्टर में रहने वाला करोड़ों की संपत्ति की मालिक बन जाता है। घोटालों को अंजाम देकर अवैध संपत्ति जुटाई गई और उसके बाद उनके खिलाफ जब कानूनी कार्रवाई होती है तब वो कहते है कि उन्हें फंसाया जा रहा है।

जमीन के बदले नौकरी घोटाले का पूरा मामला रेलवे भर्ती से संबंधित है। लालू यादव 2004-2009 तक यूपीए सरकार में रेलमंत्री थे। इस दौरान उन पर और उनके परिवार पर जमीन के बदले लोगों को नौकरी देने का आरोप है। सीबीआई ने मामले में लालू के साथ उनके परिवार पर भी केस दर्ज किया है। लालू प्रसाद यादव पर आरोप है कि उन्होंने रेलमंत्री रहते हुए बिना कोई विज्ञापन जारी किए रेलवे में ग्रुप-डी की नौकरी के लिए कई लोगों की भर्ती की थी। मामले में यह भी साफ हुआ है कि बिना विज्ञापन जारी किये की गई इस भर्ती में जिन अभ्यर्थियों का चयन हुआ उन्हें नौकरी के बदले अपनी जमीन देनी पड़ी। कई लोगों को तो आवेदन देने के 3 दिन में ही नौकरी दे दी गई थी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में लैंड फॉर जॉब घोटाला यानि नौकरी के बदले जमीन घोटाले से संबंधित मामले में पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री लालू यादव, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव और कई अन्य के खिलाफ जुलाई 2023 में आरोप पत्र दायर किया। बिहार में ये घोटाला 14 साल पहले का है। समीकरण कुछ ऐसे थे कि केंद्र में यूपीए की सरकार थी और लालू यादव रेल मंत्री थे। यूपीए का कार्यकाल घोटालों के लिए जाना जाता है। इन दिनों देश में परिवारवादी पार्टियों के बुरे दिन आए हुए हैं। पहले ठाकरे परिवार और फिर पवार परिवार की सियासत का अंजाम सामने है। अब इसके बाद लगता है कि लालू परिवार का समय आ गया है। यह घोटाला उस समय हुआ जब लालू प्रसाद कांग्रेस नीत केंद्र की यूपीए-1 सरकार में रेल मंत्री थे। आरोप है कि 2004-09 की अवधि के दौरान भारतीय रेलवे के विभिन्न क्षेत्रों में समूह डी पदों पर विभिन्न व्यक्तियों को नियुक्त किया गया था और इसके बदले में संबंधित व्यक्तियों ने तत्कालीन रेल मंत्री प्रसाद के परिवार के सदस्यों को और इस मामले में लाभार्थी कंपनी एके इंफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड को अपनी जमीन हस्तांतरित की थी।

नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में सीबीआई राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी से पूछताछ कर चुकी है। इसके अलावा ईडी ने राजद प्रमुख के परिवार के परिसरों में छापे मारे थे। ईडी ने छापेमारी के बाद कहा था कि उसने एक करोड़ रुपये की आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक नकदी बरामद की है और अपराध में इस्तेमाल 600 करोड़ रुपये के लेनदेन का पता लगाया है। प्रवर्तन निदेशालय ने 10 मार्च 2023 को छापेमारी की थी जिसमें दिल्ली के पॉश इलाके न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में तेजस्वी यादव के 150 करोड़ की कीमत के बंगले जानकारी सामने आई। कागजों में चार मंजिल वाले इस बंगले की बिक्री की कीमत सिर्फ 4 लाख रुपए दर्ज की गई है। इतना ही नहीं, रेड के दौरान प्रवर्तन निदेशालय ने लालू यादव की बेटी और तेजस्वी यादव की बहन रागिनी यादव के घर पर रेड के दौरान करोड़ों रुपए कीमत के आभूषण और नकदी बरामद किए। रागिनी यादव के यहां से 54 लाख रुपए की नकदी और करोड़ों रुपए का 1.5 किलोग्राम आभूषण बरामद किए गए। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि छापे में लगभग 600 करोड़ रुपए की आपराधिक आय वाली संपत्ति का पता चला है। इसमें 350 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति और 250 करोड़ रुपए के लेनदेन के रूप में है। लालू प्रसाद के परिवार और उनके सहयोगियों की तरफ से रियल एस्टेट समेत विभिन्न क्षेत्रों में किए गए और निवेश का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। इस मामले में तेजस्वी यादव और उनकी बड़ी बहन और सांसद मीसा भारती भी पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष भी पेश हुई थीं। उनका बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया था। इस मामले को लेकर सीबीआई ने लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी से बीते मार्च के महीने में घंटों पूछताछ की थी।

उत्तर प्रदेश साहित्य सभा के तत्वावधान में काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रखर आजमगढ़। उत्तर प्रदेश साहित्य सभा के तत्वाधान में नगर के एक प्रतिष्ठित होटल गरुड़ सभागार में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि सभा के संरक्षक प्रभु नारायण पांडेय प्रेमी जी ने किया। तत्पश्चात सभा के संयोजक साहित्यकार संजय कुमार पांडे ने गोष्ठी के मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन जय प्रकाश पांडे एवं विशिष्ट अतिथि श्रम प्रवर्तन अधिकारी शशिकांत पांडे, पूर्व अधिक्षक डाक विभाग प्रभाकर त्रिपाठी अध्यक्षता कर रहे प्रेमी जी को अंगवस्त्रम व माल्यार्पण कर सम्मानित किया। सर्वप्रथम काव्य गोष्ठी का प्रारंभ राकेश पांडे सागर की सरस्वती वंदना से हुआ।कृष्णा आजमगढी ने अपनी बेहतरीन रचना प्रस्तुत की जो काफी सराही गई, मेरे सरगम को अपने स्वर दे जरा, गीत यूं ही मिलन के बनाता रहू। इसके उपरांत उपस्थित कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को देर रात तक आनंदित किया। कवि रत्नेश राय मां की भावनाओं से परिचित कराया ,

बालपन मेरा फिर से दिला दीजिए। दुर्गा आंचल में मां के सुला दीजिए। हास्य व्यंग की कवि शैलेंद्र मोहन राय अटपट ने अपनी रचना प्रस्तुत की। प्यारे पति सेवक बनो सुबह पिलाओ चाय सुना कर लोगों को हास्य की बरसात की। अमरीश श्रीवास्तव अंबर ने वर्तमान परिवेश पर अपनी रचना प्रस्तुत की। तुमने कई त्योहारों को किया है खराब। तुम्हें क्या शर्म नहीं आती है शराब। जितेंद्र कुमार नूर ने अपनी रचना प्रस्तुत की। जहां भी इश्क की चर्चा चलेगा। हमारा जिक्र ही पहला चलेगा। अजय कुमार गुप्ता अज्जू ने अपनी रचना, हम गरीबी मे भी जी के मुस्कुराना जानते हैं। संचालन कर रहे गीतकार विजेंद्र श्रीवास्तव करुण ने देश की राष्ट्रीय भावनाओं से ओतप्रोत रचना प्रस्तुत की। पर्वत से ऊंचा हिमगिर है, नभ उससे भी ऊंचा। है मेरी जान तिरंगा मेरी पहचान तिरंगा। गीतकार राकेश पांडे सागर ने, ऋतु मन भावन है आया अब सावन है सुना कर लोगों को आनंदित किया। सभा के संयोजक साहित्यकार पत्रकार संजय कुमार पांडे ने सांप्रदायिक सद्भाव एवं भाईचारा बनाए रखने के लिए अपनी मुक्तक प्रस्तुत की। आज इस देश में यू माहौल बनाना होगा आग लगने की जगह फूल खिलाना होगा। कभी यह मजहबी झगड़े नहीं होंगे, प्रेम का पाठ अगर सब को पढ़ाना होगा सुना कर लोगों को सोचने को मजबूर कर दिया। अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार प्रभु नारायण पांडे प्रेमी जी ने देश प्रेम पर अपनी रचना, तुम को मेरा प्रणाम मुल्क पर मरने वाले, हंसते-हंसते हुए फांसी पर वो चढ़ने वाले सुनाया तो पूरा माहौल गहरी राष्ट्रीयता में सांस लेने को मजबूर कर दिया। गोष्टी के मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन जय प्रकाश पांडे ने कहा कि कविता मनोरंजन का साधन नहीं है कवि अपनी कविताओं से समाज में आपसी सद्भाव एवं भाईचारे का संदेश देता है। विशिष्ट अतिथि श्रम प्रवर्तन अधिकारी शशिकांत पांडे ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण है साहित्य के द्वारा समाज में देश प्रेम भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिलता है। ऐसे कार्यक्रम के आयोजन के लिए संयोजक की बधाई दी। इस अवसर पर समाजसेवी कृपा शंकर पाठक संजीव तिवारी हिंद पैथोलॉजी के अनिल विश्वकर्मा शिव चंद्र विश्वकर्मा एडवोकेट अमरेंद्र राय विपिन धर्म प्रसाद यादव शिवा पब्लिक स्कूल के प्रबंधक मनोज पांडे समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

धार्मिक

सालिक राम वर्मा

कंवर के चंडी माता मंदिर में भक्तों की आस्था

धमतरी गुंडरदेही मार्ग पर स्थित आमदी गांव से 2 किमी की दूरी पर पश्चिम दिशा में कंवर गांव स्थित है। यहां शक्ति की देवी चंडी रूप में विराजमान हैं। इसी के साथ प्राचीन समय से कई भग्न मूर्तियां भी इस स्थल से प्राप्त हुई हैं उसे माता काली मंदिर में स्थापित किया गया है। ग्रामीण बताते हैं कि इस माता मंदिरों से कई चमत्कार हम लोगों ने देखें हैं इसलिए इन मंदिरों के प्रति हमारी गहरी आस्था है। इतना ही नहीं माता की प्रसिद्धि के बारे में जानकर दूर-दूर से भक्त इस छोटे से गांव के मंदिर में आते हैं और माता उनकी मनोकामना पूरी करती है। वर्ष भर इन मंदिरों में भक्तों का आना जाना लगा रहता है। वर्ष के दोनों नवरात्रि में ज्योति प्रज्जवलन की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। इतना ही नहीं इस रास्ते से गुजरने वाले माता के मंदिर में माथा टेकने के बाद ही आगे बढ़ते हैं नहीं तो अनहोनी होने की आशंका बनी रहती है, इससे संबंधित कई प्रमाण यहां के लोगों ने देखे भी हैं। मंदिर के साज-सज्जा और वातावरण को रमणीय बनाने का प्रयास ग्रामीण करते ही रहते हैं।

पुस्तक समीक्षा

आदिवासी रूढ़ी परंपराएं

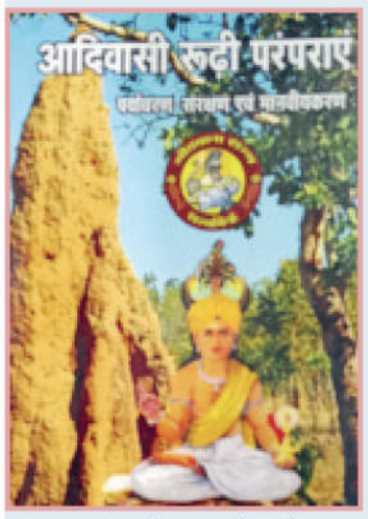

कृति के नाव: आदिवासी रूढ़ी परंपराएं

कृतिकार: श्रीमती एस्तर (आशा) ध्रुव

समीक्षक: शेरसिंह गोड़िया

प्रकाशक: आशु प्रकाशन रायपुर

कीमत: एक सौ पचास रुपए

छत्तीसगढ़ आदिवासी बाहुल्य अंचल रहा है। खासकर बस्तर में आदिवासी आज भी अपनी परंपरा और संस्कृति को बनाए हुए हैं। इसी आदिवासी जनजीवन में जो रूढ़ी परंपरा समाज में प्रचलित है तथा उनके तथ्यों को परखने के बाद किसी नतीजे पर पहुंचकर पुस्तक के रूप में प्रकाशन करने का का काम लेखिका ने यहां किया है। आपने प्रकृति पूजा और आदिवासी समाज, कुछ बातें पर्यावरण के संबंध में, प्रदूषण तीज-त्योहार और वृक्षों का महत्व एवं औषधीय प्रयोग जैसे शीर्षक से अधिक से अधिक बहुपयोगी सामग्रियां को शामिल किया है। इस तरह पुस्तक में बहुत सी दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाली जानकारियों को समाहित कर समाजोपयोगी बनाने का अच्छा प्रयास हुआ है जिनका लाभ पाठकों को मिलेगा।

शादी-ब्याह के समय में विभिन्न रस्मों को कांसे के बर्तन में निभाया जाता है तथा दूल्हा-दुल्हन को कांसे के बर्तन उपहार में दिए जाते हैं। कांसे के बर्तनों का उपयोग आवश्यकतानुसार जहां होता है उसे थारी, थरिया, माली, थरकुलिया, करछुल, बटकी, कोपरा और परात कहा जाता है। आयुर्वेद के अनुसार कांसा धातु के बर्तन में भोजन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा इस बर्तन को पवित्र और शुद्ध माना जाता है।

अंचल में कांसे के बर्तन का महत्व

छत्तीसगढ़ में प्राचीन काल से ही कांसे के बर्तन का उपयोग हमारी दिनचर्या में किया जाता है। इन बर्तनों को फूल कांस, नैर कांस और पीतल कांस के नाम से जाना जाता है। शहर में इन बर्तनों का चलन नहीं के बराबर है परंतु ग्रामीण अंचलों में आज भी मेहमानों को भोजन फूलकांस की थाली में परोसा जाता है। शादी-ब्याह के समय में विभिन्न रस्मों को कांसे के बर्तन में निभाया जाता है तथा दूल्हा-दुल्हन को कांसे के बर्तन उपहार में दिए जाते हैं। कांसे के बर्तनों का उपयोग आवश्यकतानुसार जहां होता है उसे थारी, थरिया, माली, थरकुलिया, करछुल, बटकी, कोपरा और परात कहा जाता है। बनवासी कांसे के जेवर भी पहनते हैं। मंदिरों में पूजा के लिए घंटी, कांसे की थाली, कटोरी और लोटा कांसे के बर्तन के ही होते हैं। यहां बेटियों को विवाह, पहली तीजा, गोदभराई, मुंह जुठराई, काजर अंजनी और हाथा देने के लिए कांसे के बर्तन उपयोग में लाए जाते हैं। गुरूओं-अतिथियों और भांजे-भांजियों आदि के पांव पखारने की प्रथा अब भी छत्तीसगढ़ में प्रचलित है जिसमें कांसे के बर्तन का ही उपयोग किया जाता है। आयुर्वेद के अनुसार कांसा धातु के बर्तन में भोजन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा इस बर्तन को पवित्र और शुद्ध माना जाता है। इसके साथ ही हमारे शरीर में कांसे का प्रभाव से तंत्रिका तंत्र में पड़ने से मांस-पेशियां और नसों को मजबूती मिलती है।

संस्कृति : मेनका वर्मा

फुलझर राज्य में भगवान विष्णु का ठाकुरदेव के रूप में मान्यता

ऐतिहासिक : बालचंद जैन

शरभवंशीय-पांडुवंशीय शासन काल में सकल कोसल में संस्कृत भाषा का विशेष महत्व था। यद्यपि लिपि ब्राम्ही, पाली, कुटिल एवं नागरी हुआ करती थी। संस्कृत के गद्य और पद्य के माध्यमों से ताम्रपत्रों द्वारा राजाज्ञा प्रसारित किए जाते थे। उन दिनों श्रीपुर नरेश के अधिनस्थ फुलझर सिंदुरिका राज्य में भी राजधर्म के अनुसार वैष्णव और शैव मतों का विशेष प्रभाव था। वैष्णव धर्म का मूल आशय भगवान विष्णु से संबंधित है। कोसलपति तीवरदेव परम भागवत होने के कारण इन क्षेत्रों में विष्णु के मंदिर नहीं है किन्तु लोक जीवन में व्यापक प्रभाव है। पूर्वकालीन ब्राम्हनों में संभवतः कौण्डिन्य, कापिल्य,कण्व गोत्रिय ब्राम्हनों का यहां निवास था, वर्तमान में निवासरत ब्राम्हनों एवं वैष्णवों का आगमन गोंड शासन काल के अंतिम चरण में हुआ। उनके उत्तरार्ध में पराक्रमी बालार्जुन शैव मत को मानते थे तथा उनका राज चिन्ह नन्दी था। इस प्रकार इस मांडलिक क्षेत्रों में शैव और वैष्णव मत का पर्याप्त प्रभाव था, जो आज भी विद्यमान है। इन क्षेत्रों में ठाकुर देव की सामान्य प्रस्तर खंड के रूप में भक्ति सहित पूजा आराधना की जाती है जो प्रभावशाली माने जाते हैं जिन्हें ठाकुरदिया कहा जाता है। दिया शब्द देव का अपभ्रंश है। छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में भगवान को ठाकुर से भी संबोधित किया जाता है। ठाकुर देव की श्वेत पूजा की जाती है तथा ग्रामीण देवता में इनका स्थान सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

छत्तीसगढ़ी कविता का प्रथम पड़ाव

लोक साहित्य : डा. सत्यभामा अड़िल

छत्तीसगढ़ी काव्य जी परंपरा अतिशय प्राचीन है तथा यही परंपरा आधुनिक युग में स्वयं को प्रमाणित भी करती हैं। इस युग में छत्तीसगढ़ी की क्षमता को पूर्ण रूप से आत्मसात करने वालों तथा ठेठ छत्तीसगढ़ी में काव्य का सृजन करने वालों में पं.सुंदरलाल शर्मा का स्थान अद्बितीय है। सुंदर लाल शर्मा बंगला, हिंदी, गुजराती और उर्दू के भी अच्छे जानकार थे। उन्होंने हिंदी और छत्तीसगढ़ी में 21 ग्रंथों की रचना की। इसके बाद के कवियों में जगन्नाथ प्रसाद भानु, कपिल नाथ मिश्र और शुक्लाल प्रसाद पांडेय के नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। जगन्नाथ प्रसाद हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी के ज्ञाता थे। हिंदी काव्य शास्त्र में उनकी अच्छी पैठ थी। कपिल नाथ मिश्र की 'खुसरा चिरई के बिहाव' नामक कृति भी एक विशिष्ट रचना है , जिसमें सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ी कि प्रवेशिका प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। शुकलाल प्रसाद पांडेय हिंदी और छत्तीसगढ़ी में लेखन किए। उनकी 'गीयां' और 'छत्तीसगढ़ी ग्राम्य गीत' काफी चर्चित हुए-

हम नई होवन पंडित संडीत तही पढ़े कर आग लुटावा।
ये किताब अऊ गजट सजट ला जीभ लमा के तई हर चाटा।
जनम के हम तो नागर जोतता नई जानन सोला सतरा।
भुरुवा भइसा ता ता ताता ओहि हमर पोथी पतरा।

आंचलिक विवाह में सुहाग गीत की विशेषता

छत्तीसगढ़ अंचल में वर-वधु के विवाह के समय कई रस्मों को विधिवत संपन्न किया जाता है। कई रस्में वर और वधु के लिए अलग-अलग होते हैं। देखा जाए तो कन्या के विवाह में फेरे लेते समय जो गीत गाए जाते हैं उसे कुम्हारिन या बरेठिन गीत के माध्यम से कन्या को सदा सुहागिन रहने की कामना का असीस देते रहते हैं और इस नेंग का इस समय निर्वहन होता रहता है। यह लोकगीत इस मार्मिक अवसर पर जीवंत और मधुर लगने लगता है-

कवने राय के पियरी सोहागिन
सोहागिन धियरी सोहाग मांगे हो
आले बांस के डोलना चंदन लागे डड़ियां
अलिन गलिन फिरय धियरी कवने दे
सोहागिन सोहाग जनम अहवात मांगय होआले...
अलिन गलिन फिरय धियरी कवने दे
पूछथे बरेठिन के द्वार
सोहागिन धियरी सोहाग मांगय हो
सबके सुहाग बहिनी अइसन तइसन
बरेठिन के सोहाग जनम अहवात मांगय हो

संस्कृति : डॉ. रमाकांत सोनी

उपरोक्त सोहाग गीत में समरसता एवं अन्य जातियों के प्रति उदार भावना परिलक्षित होती है। यही वजह है कि वधू को कुम्हारिन या बरेठिन यहां ले जाकर उससे अहवात की कामना की जाती थी। गीत में राय शब्द को संबोधन वधू के पिता के लिए सम्मान सूचक है जो बिहाव गीतों में कई जगह प्रयुक्त हुआ है।

गांव की कहानी

विष्णु पांडेय

भाट जाति के निवासी गांवों के नामों में भाट

भाट संस्कृति में आबादी से दूर किसी जंगल, टीले या पहाड़ों पर इनका निवास होता था, इस अंचल में उनके लिए प्राकृतिक वातावरण भी मिल गया था। यह भजन कीर्तन करने वाली जाति गांव में दान मांगते रहे हैं। छत्तीसगढ़ में इन्हें भटरी-भाट या बाम्हन कहा जाता है। इस अंचल में अधिकतर गांवों के नाम के साथ भाट लगा हुआ है जैसे- करकाभाट, देवरभाट, पड़कीभाट और साल्हेभाट, जो भाटों की उपस्थिति को प्रमाणित करते हैं।

इतिहास को खंगाले तो समझ आता है कि जहां भाट जाति के लोग रहे होंगे वहां उनके कारण गांव के नाम में भाट जोड़ा गया होगा। इसी परिकल्पना के आधार पर निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि बालोद अंचल के गुरूर क्षेत्र में भाटों की बस्ती रही होगी। पूर्वजों का भी कहना है कि इस अंचल में भाटों का आना जाना लगा रहता था। भाट संस्कृति में आबादी से दूर किसी जंगल, टीले या पहाड़ों पर इनका निवास होता था, इस अंचल में उनके लिए प्राकृतिक वातावरण भी मिल गया था। यह भजन कीर्तन करने वाली जाति गांव में दान मांगते रहे हैं। छत्तीसगढ़ में इन्हें भटरी-भाट या बाम्हन कहा जाता है। इस अंचल में अधिकतर गांवों के नाम के साथ भाट लगा हुआ है जैसे-करकाभाट, देवरभाट, पड़कीभाट और साल्हेभाट, जो भाटों की उपस्थिति को प्रमाणित करते हैं। सभी भाट गांव पास पास ही हैं। साल्हेभाट जंगल में बसा है। भाट लोग किसी निर्धारित स्थान पर तंबू लगाकर कुछ दिन जीवन यापन कर लेते थे। फिर दूसरे दिन सबेरा होने पर आबादी में जाकर दानदाताओं का आश्रय दाताओं का नाम लेकर पुकारते और उनका वंशानुक्रम बताते थे। लोगों को सुनकर आश्चर्य होता था। किसी भी गांव में अपना उद्देश्य पूरा होने पर अन्य गांव की ओर चले जाते थे। इनका एक दोहा भी प्रचलित रहा-

भाट टाट झन भेडरी, हर काहू के होय।
चारण, वारण मानसी, जै गढ़पति के होय।

गायकी के दौरान करताल, चुटकी और पैजना वाद्यों का प्रयोग करते थे, चुटकी लकड़ी से बना होता है, जिसमें चट-चट की आवाज निकलती है। पैजना एड़ी के ऊपर बांधते हैं। यह गोल होता है जिसमें छर्रे भरे होते हैं। अन्य वादयों में चिकारा, सारंगी व खंजेरी साथ में रहता है। ऐसा माना जाता है कि भाट लोग मराठों के साथ आए होंगे और गुरूर क्षेत्र में बस गए होंगे। छत्तीसगढ़ में धमतरी, कांकेर, धमधा, नवागांव, अकलतरा और पिथौरा में इन्होंने अपना स्थाई घर बना लिया है।

तीन वर्षों के अंतराल में बिहार के राजगीर में लगने वाले मलमास मेले की शुरुआत साधु-संतों के 33 कोटि देवी-देवताओं के आह्वान के साथ होती है

मलमास मेला

इस दौरान राजगीर में नहीं रहते काग!

बिहारशरीफ (आईएएनएस)। तीन वर्षों के अंतराल में बिहार के राजगीर में लगने वाले मलमास मेले की शुरुआत साधु-संतों के 33 कोटि देवी-देवताओं के आह्वान के साथ होती है। मान्यता है कि मलमास या अधिमास के दौरान 33 कोटि देवी देवताओं का वास ऐतिहासिक और पौराणिक नगर राजगीर में होता है। इस दौरान भले ही सभी देवी देवताओं का वास यहां होता है लेकिन आम दिनों में दिखने वाले काग (कौआ) राजगीर छोड़कर अन्यत्र निकल जाते हैं। यहां रहने वाले लोग इस मान्यता की तस्दीक भी करते हैं कि इस महीने एक भी कौआ राजगीर क्षेत्र में दिखाई नहीं देता है।

राजगीर तीर्थ पंडा समिति के प्रमुख सुधीर उपाध्याय कहते हैं कि इस एक महीने में राजगीर में काला काग को छोड़कर हिन्दुओं के सभी 33 कोटि देवता यहां प्रवास करते हैं। उन्होंने बताया कि प्राचीन मान्यताओं और पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान ब्रह्मा के मानस पुत्र राजा बसु द्वारा राजगीर के ब्रह्म कुंड परिसर में एक यज्ञ का आयोजन कराया गया था जिसमें 33 कोटि देवी-देवताओं को निमंत्रण दिया गया था और वे यहां पधारे भी थे, लेकिन काला काग (कौआ) को निमंत्रण नहीं दिया गया था। मान्यता है कि इसी कारण इस एक माह के दौरान राजगीर में काला काग कहीं नहीं दिखते। इस क्रम में आए सभी देवी देवताओं को एक ही कुंड में स्नानादि करने में परेशानी हुई थी तभी ब्रह्मा ने यहां 22 कुंड और 52 जलधाराओं का निर्माण किया था। इस साल 18 जुलाई को राजगीर में विश्व प्रसिद्ध राजकीय मलमास मेला का शुभारंभ सिमरिया घाट के स्वामी चिदात्मन जी महाराज उर्फ फलाहारी बाबा के द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया गया। 15 अगस्त तक यह मेला चलेगा।

एक महीने तक राजगीर में प्रवास कर रहे स्वामी चिदात्मन जी महाराज बताते हैं कि हिंदू पंचाग के अनुसार हर तीसरे वर्ष में एक मास अधिक हो जाता है। यह स्थिति 32 माह 16 दिन यानी लगभग हर तीसरे वर्ष बनती है। इस अधिक मास को पुरुषोत्तम मास कहा जाता है। पुरुषोत्तम मास में एक माह तक मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं। धार्मिक आस्था को लेकर हिन्दू धर्मावलंबी इस मास में शुभ कार्य नहीं करते हैं। राजगीर में ऐसे तो धार्मिक महत्ता के 22 कुंड और 52 धाराएं हैं, लेकिन ब्रह्मकुंड व सप्तधाराओं में स्नान की विशेष महत्ता है। देश व विदेश के श्रद्धालु यहां के कुंडों में स्नान व पूजा-पाठ करते हैं। अधिकतर श्रद्धालु यहां के सभी कुंडों में पूरे विधि-विधान से स्नान व पूजा-पाठ करते हैं। इस दौरान कुंभ की तर्ज पर शाही स्नान का आयोजन होता है, जिसमें देश के कोने-कोने से आए साधु-संत अस्था की डुबकी लगाते हैं।

यहां शाही स्नान का मेले में विशेष महत्व है। शाही स्नान वह क्षण होता है, जिसमें साधु-संतों की टोलियों द्वारा विभिन्न कुंडों में स्नान किया जाता है। साधु संतों का मानना है कि राजगीर की महत्ता वेद पुराणों में की गई है। इस राजगीर की भूमि तपोभूमि कहा गया है। वायु पुराण के अनुसार राजगीर का ब्रह्मकुंड वह स्थान है, जहां पर भगवान ब्रह्मा ने यज्ञ कर मनुष्यों की बुराईयों को अग्नि में अर्पित कर पवित्रता की ओर चलने का आह्वान किया था। हिन्दू धर्म में तो मलमास या अधिमास में इस नगरी की महत्ता काफी बढ़ जाती है।

मां को मिला पौष्टिक आहार उसके पोते-पोतियों में एक स्वस्थ मस्तिष्क को सुनिश्चित कर सकता है

नई दिल्ली (भाषा)। मोनाश विश्वविद्यालय ने आनुवांशिक मॉडल का इस्तेमाल कर एक अध्ययन किया है, जिसमें पाया गया है कि अपनी गर्भावस्था की शुरुआत में सेब और जड़ी-बूटियों का सेवन करने वाली महिलाएं अपने बच्चों व पोते-पोतियों के मस्तिष्क के स्वास्थ्य की रक्षा कर सकती हैं।

यह अध्ययन एक परियोजना का हिस्सा है। अध्ययन में पाया गया कि एक गर्भवती महिला का आहार ना केवल उसके बच्चे के बल्कि उसके पोते-पोतियों के मस्तिष्क को भी प्रभावित कर सकता है।

'नेचर सेल बायोलॉजी' में प्रकाशित मोनाश बायोमेडिसिन डिस्कवरी इंस्टीट्यूट के अध्ययन में पाया गया कि कुछ खाद्य पदार्थ मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में गिरावट को रोकने में मदद कर सकते हैं।

शोधकर्ताओं ने सेब और जड़ी-बूटियों में पाए जाने वाले एक अणु की पहचान की है जो 'एक्सॉन' को कमजोर होने से बचाता है

इस अध्ययन में आनुवंशिक मॉडल के रूप में एक तरह के कीड़े 'राउंडवॉर्म' (कैनोर्हाडाइटिस एलिगेंस) का उपयोग किया गया क्योंकि उनके कई जीन मनुष्यों में भी पाए जाते हैं, जिससे मानव कोशिकाओं के संदर्भ में अंतर्दृष्टि प्राप्त होती है। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि सेब और जड़ी-बूटियों जैसे तुलसी, गुलमेंहदी (रोजमेरी), अजवायन और तेजपात में मौजूद एक निश्चित अणु ने मस्तिष्क को ठीक से काम करने में मदद की।

वरिष्ठ प्रोफेसर रोजर पोकॉक ने अपनी टीम के साथ मस्तिष्क में तंत्रिका कोशिकाओं पर अध्ययन किया। ये कोशिकाएं एक दूसरे से करीब साढ़े आठ लाख किलोमीटर लंबी एक तरह की केबल से जुड़ी होती हैं जिसे 'एक्सॉन' कहा जाता है।

पोकॉक ने बताया कि किसी समस्या के कारण तंत्रिका कोशिकाएं 'एक्सॉन' कमजोर हो जाती हैं, तो मस्तिष्क की शिथिलता और 'न्यूरोडीजेनेरेशन' की समस्या पैदा हो सकती है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम ने एक कमजोर 'एक्सॉन' वाले आनुवंशिक मॉडल का उपयोग किया जो जानवरों की उम्र बढने के साथ टूट जाते हैं।

पोकॉक ने कहा, 'हमने यह पता लगाने की कोशिश की कि क्या आहार में पाए जाने वाले प्राकृतिक उत्पाद इन कोशिकाओं को स्थिर करके टूटने से बचा सकते हैं।' उन्होंने कहा कि हमने अध्ययन में पाया कि सेब और जड़ी-बूटियों का सेवन करने वाली महिलाएं अपने बच्चों व पोते-पोतियों के मस्तिष्क के स्वास्थ्य की रक्षा कर सकती हैं। पोकॉक ने कहा, 'हमने सेब और जड़ी-बूटियों में पाए जाने वाले एक अणु की पहचान की है जो 'एक्सॉन' को कमजोर होने से बचाता है...उर्सोलिक अम्ल। हमने पाया कि यह अम्ल खास तरह की वसा बनता है जो एक्सॉन को कमजोर होने से बचाता है। यह वसा स्फिंगोलिपिड के रूप में जानी जाती है जो मां की आंत से उसके अंडाणु में पहुंचती है और फिर दूसरी पीढी तक पहुंच जाती है।'

डुक्युल लिटरेचर फेस्टिवल के लिए तारा सुतारिया को निमंत्रण

मुंबई (आईएएनएस)। भूटान के महामहिम ने भूटान इकोज में म्यूजिक, डांस और फिल्म के सेलिब्रेशन के लिए डुक्युल लिटरेचर फेस्टिवल में बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया को आमंत्रित किया है। तारा को भूटान की रानी मां ने भूटान इकोज में म्यूजिक, डांस और फिल्म को सेलिब्रेट करने के साथ-साथ अपनी जर्नी और आर्ट्स के महत्व पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया है।

भूटान के शाही परिवार के निमंत्रण और अपने देश का प्रतिनिधित्व करने पर तारा उत्साहित हैं। भूटान इकोज एक गैर-लाभकारी संगठन है जो भूटान में लिटरेचर, कल्चर और आर्ट को बढावा देने के लिए प्रोग्राम कोआर्डिनेट और प्रोड्यूस करता है। इसका समापन भूटान में आयोजित एनुअल इंटरनेशनल लिटरेरी फेस्टिवल 'डुक्युल लिटरेचर फेस्टिवल' में होता है। भूटान की महामहिम राजमाता, ग्यालुम आशी दोरजी वांग्मो वांगचुक भूटान इकोज़ : डुक्युल लिटरेचर फेस्टिवल की मुख्य संरक्षक हैं। तारा जल्द ही 'अपूर्वा' में दिखाई देंगी। इस फिल्म को लेकर एक्ट्रेस का मानना है कि थ्रिलर की कहानी दिलचस्प है, जो एक कलाकार के रूप में उन्हें चुनौती देती है, और उसने पहले कभी इस तरह का किरदार नहीं निभाया है। तारा ने डिज्नी इंडिया के 'बिग बड़ा बूम' में एक सिंगर के रूप में अपना करियर शुरू किया और चैनल के सिटकॉम 'द सूट लाइफ ऑफ करण एंड कबीर' (2012) और 'ओए जस्सी' (2013) के साथ एक्टिंग में कदम रखा। एक्ट्रेस ने 2019 में 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' के साथ अपनी फिल्म की शुरुआत की। तब से उन्होंने रोमांटिक ड्रामा 'मरजावांई' (2019), 'तड़प' (2021), 'हीरोपंती 2' (2022) और 'एक विलेन रिटर्न्स' (2022) में प्रमुख महिला के रूप में अभिनय किया है।

प्रिंस राजपूत-पायस पंडित की फिल्म 'मैं तेरे इश्क में' का ट्रेलर रिलीज

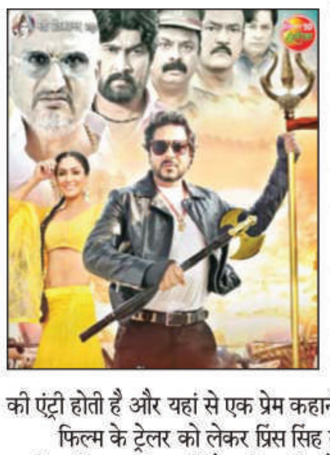

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता प्रिंस सिंह राजपूत और अभिनेत्री पायस पंडित की आने वाली फिल्म मै तेरे इश्क में का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

मती प्रोडक्शन्स प्रस्तुत फिल्म मै तेरे इश्क में का ट्रेलर इंटर रंगीला के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। ट्रेलर की शुरुआत एक्शन सीन से होती है, जिसमें कुछ स्कूली बच्चों को उग्रवादियों द्वारा बंधक बना दिया जाता है। इसके बाद प्रिंस सिंह राजपूत की एंट्री होती है जो बंधक बने बच्चों को उग्रवादियों के हाथों से छुड़ा लेते हैं। इसी बीच पायस पंडित की एंट्री होती है और यहां से एक प्रेम कहानी भी फिल्म में देखने को मिलने वाली है।

फिल्म के ट्रेलर को लेकर प्रिंस सिंह राजपूत ने कहा कि जितना ट्रेलर में दिखा है, उससे कहीं ज्यादा फिल्म में है। मुझे उम्मीद है कि यह लोगों को खूब पसंद भी आने वाली है। उन्होंने कहा है कि फिल्म में खतरनाक एक्शन है। खूबसूरत सी कहानी है। रोमांटिक लव स्टोरी है। दिल को छू लेने वाले गाने है। कुल मिलाकर हमारी फिल्म कमर्शियल फिल्म के सभी मानदंडों को छूती है। फिल्म 'मै तेरे इश्क में' में प्रिंस राजपूत, पायस पंडित, अवधेश मिश्रा, अनीता रावत, विनीत विशाल एवं अन्य कलाकार मुख्य भूमिका में है। निर्देशक अजय कुमार और निर्माता अवधेश कुमार सिंह है । मै तेरे इश्क में की कथा-पटकथा और संवाद अजय कुमार और मनोज गुप्ता ने लिखे हैं। विनय बिहारी, सन्तोष उत्पाती, अजित मण्डल और सुदीप साजन के लिखे इस फिल्मों के गीतों को सुदीप साजन ने संगीबद्ध किया है। फिल्म के नृत्य निर्देशक प्रसुन्न यादव एवं अशोक मइती हैं।

गदर-2 : रियल एक्शन सीन फिल्माए : अनिल शर्मा

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड फिल्मकार अनिल शर्मा का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म गदर 2 में एक्शन सीन के लिये वीएफएक्स के बजाय रियल एक्शन सीन इस्तेमाल किये गये।

अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म 'गदर 2' में तारा सिंह और सकीना की खूबसूरत केमिस्ट्री, बाप-बेटे के दिल को छूने वाले रिश्ते के साथ-साथ, फिल्म में हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन को भी दर्शाया गया है। निर्देशक अनिल शर्मा को खुशी है कि उन्होंने 'गदर 2' के लिए वीएफएक्स के जाये एक्शन सीन के लिए रियल एक्शन सीन के अपरोच को चुना।

अनिल शर्मा ने कहा, मिशन इम्पॉसिबल सीरीज में टॉम क्रूज के कुछ स्टंट या नोलन के ओपेनहाइमर को देखें, यहां तक कि अमेरिका में भी कलाकार चीजों को रियल रखने की कोशिश कर रहें है और यही मैं करना चाहता था। 'गदरः एक प्रेम कथा के निर्माण के दौरान, हमने एक प्रामाणिक अनुभव देने के लिए वास्तविक जीवन के एक्शन सीन को सावधानीपूर्वक कोरियोग्राफ किया, जिसे दर्शकों ने अपनाया। फिल्म गदर 2 में सिर्फ वीएफएक्स ही नहीं बल्कि असल एक्शन सीन भी है। हमारा लक्ष्य भारतीय सिनेमा के सुनहरे युग को फिर से देखना और फिल्म की विरासत को कायम रखना था। 'गदर 2, 11 अगस्त को रिलीज होगी। इस फिल्म में सनी और अमीषा के साथ उत्कर्ष शर्मा, मनीष वाधवा, सिमरत कौर, लव सिन्हा नजर आएंगे।

सनी ने नेपोटिज्म पर रखी राय

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने नेपोटिज्म पर अपनी राय रखते हुये बताया है कि यदि उनके पिता धर्मेन्द्र अभिनेता नहीं होते तो शायद वह भी अभिनेता नहीं होते, हालांकि सफलता व्यक्तिगत होती है।

फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म को लेकर हमेशा से विवाद होता है। स्टार किड्स को आसानी से फिल्म इंडस्ट्री में काम करने का मौका मिल जाता है, जबकि टैलेंटेड आउट साइडर्स को काम के लिए मशक्कत करनी पड़ती है। स्टार किड्स हमेशा ट्रोलर्स के निशाने पर होते हैं। सनी देओल को फिल्म इंडस्ट्री में आये हुये चार दशक हो गये है। सनी देओल ने नेपोटिज्म के मुद्दे पर अपनी राय रखी है।

सनी देओल का कहना है कि यदि उनके पिता धर्मेन्द्र अभिनेता नहीं होते तो शायद वह भी नहीं होते। यदि उनके पिता कुछ और काम करते तो शायद वह भी वही काम कर रहे होते। उन्होंने कहा, नफरत और नेपोटिज्म उन लोगों द्वारा फैलाया जा रहा है, जो परेशान हैं। यदि कोई पिता अपने बेटे या बेटी के लिए कुछ करना चाहता है तो इसमें गलत क्या है? यदि पिता अपने परिवार के लिए नहीं करेगा तो वह किसके लिए काम कर रहा है? लोगों को यह समझना होगा कि एक परिवार में बच्चा अपने पिता को फॉलो करता है। सनी देओल ने बताया कि भले ही फिल्म इंडस्ट्री में आने का अवसर उन्हें अपने पिता की वजह से मिला है, लेकिन सक्सेस हासिल करना व्यक्तिगत होता है।

'गदर 2' की रिलीज से पहले सनी-अमीषा ने अटारी-वाघा बॉर्डर का किया दौरा

अमृतसर, (आईएएनएस)। बॉलीवुड एक्टर सनी देओल और अमीषा पटेल ने अपनी फिल्म 'गदर 2' की रिलीज से पहले पंजाब में अटारी-वाघा बॉर्डर का दौरा किया। 22 साल बाद फिल्म में सकीना अली सिंह की भूमिका निभाने वाली अमीषा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह सनी देओल और उदित नारायण के साथ, बीएसएफ जवानों की पूरी टुकड़ी के साथ खड़ी नजर आईं और अटारी की तरफ पूरी सीमा भरी हुई थी। उन्होंने कैप्शन दिया, गदर 2 की टीम प्रमोशन के लिए भारत-पाक वाघा बॉर्डर पर है। इसके बाद, नेटिज़न्स ने कलाकारों की प्रशंसा करते हुए अपना उत्साह साझा किया और देशभक्ति के उत्साह में जय हिंद, वंदेमातरम, हिंदुस्तान जिंदाबाद! और मेरा भारत महान! लिखा। इससे पहले एक्टर 'रिट्रीट सेरेमनी' में भी शामिल हुए थे।

सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, प्रतिष्ठित बीएसएफ जवानों के साथ अटारी बॉर्डर पर रिट्रीट सेरेमनी को देखकर सम्मानित महसूस हुआ। मुझे वह ऊर्जा और उत्साह पसंद आया जिसके साथ माहौल हिंदुस्तान जिंदाबाद के जोरदार नारों से गूंज उठा। फिल्म के ट्रेलर और क्लासिक 'गदर' गाने 'मैं निकला गड्डी लेके' के नए वर्जन के चलते पहले से ही काफी उत्साह है। 'गदर' 2001 में रिलीज होने पर जबरदस्त हिट रही थी। ऐसे में, 'गदर 2' पहली फिल्म की घटनाओं के 22 साल बाद सेट की जाएगी, जो भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद की घटनाओं से संबंधित थी। फिल्म की शुरुआत 1951 से होगी और फिर 1971 के बांग्लादेश लिबरेशन वॉर, जिसे तीसरे भारत-पाक युद्ध के रूप में भी जाना जाता है, की घटनाओं पर आधारित होगी। इसके बाद तारा सिंह अपने बेटे चरणजीत सिंह को पाकिस्तानी सेना द्वारा बंदी बना लिए जाने के बाद वापस पाकिस्तान जाते हैं।

बिपाशा का छलका दर्द

कहा, बेटी के दिल में थे दो छेद करानी पड़ी ओपन हार्ट सर्जरी

मुंबई (आईएएनएस)। नेहा धूपिया के साथ एक इंटरव्यू में बिपाशा बसु ने अपनी बेटी के वेंट्रिकुलर सेप्टिक डिजीज (वीएसडी) के बारे में खुलासा किया और बताया कि उनकी बेटी सिर्फ तीन महीने की थीं, जब उसकी ओपन हार्ट सर्जरी करानी पड़ी थी। बिपाशा बसु और उनके पति करण सिंह ग्रोवर ने 12 नवम्बर, 2022 को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया, जिसका नाम कपल ने देवी बसु सिंह ग्रोवर रखा। हालांकि उस समय वह इस बात से अनजान थे कि देवी का जन्म वीएसडी के साथ हुआ है।

'धूम 2' की एक्ट्रेस ने कहा कि हमारी जर्नी किसी सामान्य मां-बाप से बहुत अलग रही है। यह उस मुस्कान से कहीं ज्यादा मुश्किल है, जो अभी मेरे चेहरे पर है। मैं नहीं चाहती कि किसी मां के साथ ऐसा हो। मुझे मेरे बच्चे के जन्म के तीसरे दिन पता चला कि उसके दिल में दो छेद है। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैंने तय किया था, कि मैं इस बात को शेयर नहीं करूंगी, लेकिन मैं अब इसे बता रही हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि बहुत सारी मांएं हैं, जिन्होंने इस यात्रा में मेरी मदद की। वीएसडी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, हम यह भी समझ नहीं पा रहे थे कि वीएसडी क्या है। यह एक वेंट्रिकुलर सेप्टल है। हम एक बुरे दौर से गुजरे। हमने अपने परिवार को इस बारे में कुछ नहीं बताया। हम दोनों ही हैरान थे। हम सेलिब्रेट करना चाहते थे, लेकिन हम बहुत दुखी थे। शुरुआती पांच महीने हमारे लिए बहुत कठिन रहे, लेकिन देवी पहले दिन से शानदार रही। हमें बताया गया कि हर महीने हमें यह जानने के लिए स्कैन कराना होगा कि यह अपने आप ठीक हो रहा है या नहीं। लेकिन जिस तरह का बड़ा छेद था, हमें बताया गया कि यह खतरनाक है, आपको सर्जरी करानी होगी और सर्जरी तब करना सबसे अच्छा होता है, जब बच्चा तीन महीने का हो जाए। बिपाशु ने रोते हुए कहा, आप एक बच्ची का ओपन हार्ट सर्जरी कैसे कर सकते हैं? ये सोचकर आप बहुत दुखी और बोझिल महसूस करते हैं। मैंने और करण ने बच्ची के नेचुरल ठीक होने का इंतजार किया लेकिन पहले और दूसरे महीने में हमें इसका कोई रिजल्ट नहीं मिला।

इलियाना डिक्रूज बेबी ब्वॉय को दिया जन्म

फोटो शेयर करते हुए नाम का किया खुलासा

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया है। उन्होंने एक अगस्त को बेबी ब्वॉय को जन्म दिया। जिसका नाम उन्होंने कोआ फीनिक्स डोलन रखा है। इस नाम का मतलब होता है 'योद्धा' या 'बहादुर'। उन्होंने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी।

इलियान डिक्रूज ने इसी साल अप्रैल में अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में बताया था। इसके बाद उन्होंने बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए कई फोटोज शेयर की और अब उन्होंने अपने बेटे की तस्वीरें पोस्ट की है। इलियाना ने कैप्शन में लिखा, कोई भी शब्द ये बयां नहीं कर सकता कि हम अपने बेटे को इस दुनिया में लाकर कितने खुश हैं। इस पोस्ट पर हुमा कुरैशी, नरगिस फाखरी, अर्जुन कपूर और अथिया शेट्टी जैसी हस्तियों ने कमेंट्स के जरिए बधाइयां दी। वहीं अर्जुन कपूर ने बधाई में कई दिल वाले इमोजी पोस्ट किए। इलियाना को आखिरी बार बादशाह के गाने 'सब गजब' में देखा गया था, जबकि उन्होंने कूकी गुलाटी द्वारा निर्देशित और अजय देवगन द्वारा निर्मित फिल्म 'द बिग बुल' में अभिषेक बच्चन के साथ सिल्वर स्क्रीन साझा की थी। वह जल्द ही रणदीप हुडा के साथ 'अनफेयर एंड लवली' में नजर आएंगी।

खबर संक्षेप

विदेशी मुद्रा भंडार 3 अरब डॉलर घटा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 3.16 अरब डॉलर घटकर 603.87 अरब डॉलर रह गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। लगातार दूसरे सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आई है। इससे पिछले सप्ताह में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 1.98 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 607.03 अरब डॉलर रह गया था। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया था।

अमेरिकी नियामक ने दी इंटास फार्मा को चेतावनी

नई दिल्ली। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने इंटास फार्मास्यूटिकल्स के साणंद स्थित विनिर्माण संयंत्र में खामियों के लिए चेतावनी पत्र जारी किया है। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) ने 28 जुलाई, 2023 को एक चेतावनी पत्र में संयंत्र में विभिन्न विनिर्माण खामियों की ओर इशारा किया। इसमें सीजीएमपी अनुपालन सुनिश्चित करने में गुणवत्ता नियंत्रण इकाई की विफलता का जिक्र भी किया गया।

एमएफ कारोबार में उतरेगी पंजाब एंड सिंध बैंक

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब एंड सिंध बैंक ने शुल्क आधारित आय बढ़ाने के लिए म्यूचुअल फंड कारोबार में कदम रखने की योजना बनाई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बैंक को सितंबर तक साझेदार मिलने की उम्मीद है। बैंक के प्रबंध निदेशक स्वरूप कुमार साहा ने से कहा, 'बैंक ने पहले ही वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक भागीदार को अंतिम रूप देने के लिए अनुरोध प्रस्ताव जारी किया है। उम्मीद है कि यह प्रक्रिया जल्द ही पूरी हो जाएगी।' उन्होंने उम्मीद जताई कि बैंक दूसरी तिमाही के अंत तक एक भागीदार तय करने और चालू वित्त वर्ष के दौरान परिचालन शुरू करने में सक्षम होगा।

रत्न, आभूषण निर्यात में सुधार की उम्मीद

मुंबई। निर्यात मांग में सुधार आने के साथ भारत के रत्न और आभूषण निर्यात में चालू वित्तवर्ष की दूसरी छमाही में सुधार आने की उम्मीद है। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने यह जानकारी दी। जीजेईपीसी निर्यात को बढ़ावा देने के लिए वियतनाम, कंबोडिया, थाईलैंड, म्यांमार, बांग्लादेश और श्रीलंका सहित नए बाजारों में संभावनाएं टटोल रही है।

आयातित खाद्यतेल की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। बीते सप्ताह तेल तिलहन बाजार में कारोबार का मिला जुला रुख रहा। अत्यधिक आयात होने के कारण विदेशों से आयात किये जाने वाले खाद्यतेलों की कीमतों में गिरावट आई जबकि तिलहन की कमी के कारण सरसों, मूंगफली और बिनौला जैसे देशी तेल तिलहनों के दाम में मामूली सुधार दर्ज हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि माल की कमी होने और किसानों द्वारा नीचे भाव में बिकवाली नहीं करने से सरसों, मूंगफली और बिनौला जैसे देशी तेल तिलहन की कीमतों में मामूली सुधार देखने को मिला।

हुंडई और किआ की 9 हजार कारें अमेरिका में होंगी वापस, आग लगने का है डर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हुंडई और किआ ने अमेरिका में 91 हजार से अधिक कारों को रिकॉल यानी वापस मंगाया है। इन गाड़ियों में आग लगने के खतरे के चलते रिकॉल किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक इसमें करीब 52 हजार कारें हुंडई और किआ की 39 हजार कारें हैं। इन दोनों कार कंपनियों ने कार मालिकों से अपनी कारों को बाहर पार्क करने की भी सलाह दी है, जब तक कि इनकी रिपेयरिंग पूरी नहीं हो जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक जिन मॉडलों को वापस बुलाए जाने के आसार हैं, उनमें हुंडई 2023-2024 पैलिसेड, 2023 टक्सन, सोनाटा, एलांट्रा और कोना के साथ-साथ 2023-2024 की सेल्टोस और 2023 किआ सोल, स्पोर्टेज वाहन शामिल हैं।

रिकॉल किए जाने वालों में 52 हजार कारें हुंडई की

2023 में मिली नुकसान की रिपोर्ट

हुंडई ने दिसंबर में बताया था कि उसे 2023 हुंडई पैलिसेड में इलेक्ट्रिक ऑयल पंप के वायर हार्नेस/कनेक्टर में हीट के चलते नुकसान की रिपोर्ट मिली। इसके बाद कंपनी ने जांच शुरू की। वहीं किआ ने जून में बताया था कि उसे 2023 सोल के पिघलने की रिपोर्ट मिली है। मार्च में दोनों कार कंपनियों ने नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन को यह जानकारी दी थी कि उन्होंने मार्च में ही प्रोडक्शन से एक संदेहास्पद पार्ट को हटा दिया था।

ग्राहकों को किराए पर कार उपलब्ध कराने कहा

सुरक्षा एहतियात के तौर पर हुंडई ने डीलरों को सलाह दी कि वे रिकॉल होने तक ग्राहकों को किराये पर कार उपलब्ध कराने को कहा है। इसके अलावा कंपनियों ने कार मालिकों को जलने या पिघलने की गंध का पता चलते ही गाड़ी चलाने से बचने और निकटतम हुंडई डीलर के पास ले जाने का आग्रह किया है। जानकारी के मुताबिक कार मालिकों को सितंबर के आखिरी तक सूचना भेजी जाएगी और फिर डीलर्स इनकी जांच कर जरूरत के मुताबिक ऑयल पंप कंट्रोलर बदला जाएगा।

ओवरहीटिंग की समस्या आ रही

दोनों कार कंपनियों के मुताबिक आइडल स्टॉप एंड गो ऑयल पम्प एसेंबली के इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोलर्स में दिक्कत है। इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स में खराबी के चलते ओवरहीटिंग की समस्या आ सकती है। इसके चलते आग लगने का खतरा तो है ही, इसके अलावा हीट के चलते शॉर्ट सर्किट भी हो सकता है जिससे इसके कंट्रोलर्स को झटका लग सकता है। किआ के सामने अब तक इस प्रकार की 6 घटनाएं और हुंडई के सामने 4 घटनाएं आ चुकी हैं।

सालाना आधार पर 34,774 करोड़ रुपए रहा

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का मुनाफा पहली तिमाही में दोगुने से अधिक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर दोगुने से अधिक 34,774 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा जारी पहली तिमाही के आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि के दौरान सभी 12 पीएसयू बैंकों ने कुल 15,306 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। समीक्षाधीन अवधि में उच्च-ब्याज दर से बैंकों को बेहतर शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) अर्जित करने में मदद मिली। अधिकांश बैंकों का एनआईएम तीन प्रतिशत से अधिक रहा।

- सभी 12 पीएसयू बैंकों ने 15,306 करोड़ का मुनाफा कमाया

सेंट्रल बैंक का एनआईएम सबसे अधिक

पहली तिमाही में पुणे स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र का एनआईएम सबसे अधिक 3.86 प्रतिशत रहा। इसके बाद सेंट्रल बैंक का एनआईएम 3.62 प्रतिशत और इंडियन बैंक का 3.61 प्रतिशत रहा। समीक्षाधीन अवधि में चार ऋणदाताओं ने 100 प्रतिशत से अधिक का लाभ कमाया।

पीएनबी ने सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की। उसने 1,255 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया, जबकि यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 308 करोड़ रुपये था। यानी उसने 307 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की। एसबीआई का लाभ अभी तक किसी भी तिमाही के मुकाबले सबसे अधिक रहा। उसने 178 प्रतिशत वृद्धि के साथ 16,884 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया, जो सभी पीएसबी द्वारा अर्जित कुल लाभ का करीब 50 प्रतिशत है।

एमएसएमई का बैंक ऋण वृद्धि आधार घटा

चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को बैंक ऋण वृद्धि में सालाना आधार पर गिरावट आई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों में यह बात कही गई। एमएसएमई क्षेत्र से जुड़े लोगों ने कहा कि जोखिम से बचने की प्रवृत्ति के कारण बैंक छोटी इकाइयों को ऋण देने से बचना चाहते हैं, जिससे उन्हें ऋण देने की वृद्धि दर में गिरावट हुई है।

बैंक ऑफ बड़ौदा का लाभ 88 फीसदी बढ़ा

अन्य पांच पीएसबी ने 50 से 100 प्रतिशत के बीच वृद्धि दर्ज की। इनमें बैंक ऑफ महाराष्ट्र शीर्ष पर रहा, जिसका शुद्ध लाभ 95 प्रतिशत बढ़कर 882 करोड़ रुपये हो गया। इसके बाद बैंक ऑफ बड़ौदा का शुद्ध लाभ 88 प्रतिशत बढ़कर 4,070 करोड़ रुपये और यूको बैंक का शुद्ध लाभ 81 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 581 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

पंजाब एंड सिंध बैंक के लाभ में गिरावट

इन 12 बैंकों में केवल दिल्ली स्थित पंजाब एंड सिंध बैंक के शुद्ध लाभ में गिरावट दर्ज की गई। समीक्षाधीन तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 153 करोड़ रुपये रहा।

चीन से थोक दवाओं का आयात बढ़कर 75 प्रतिशतः रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

चीन से थोक दवा आयात पिछले नौ वर्षों में 62 प्रतिशत से बढ़कर 75 प्रतिशत हो गया है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में कहा गया कि सरकार की उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन योजना के तहत विभिन्न घरेलू विनिर्माण परियोजनाओं के चालू होने के बावजूद भारत चीन पर काफी हद तक निर्भर है।

केयर रेटिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन से थोक दवा का आयात, मूल्य और मात्रा दोनों लिहाज से वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर क्रमशः 71 और 75 प्रतिशत हो गया। वित्त वर्ष 2013-14 में यह आंकड़ा 64 प्रतिशत और 62 प्रतिशत था। केयर रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक रंजन शर्मा ने कहा कि मूल्य के संदर्भ में वित्त वर्ष 2013-14 से वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान चीन से कुल थोक दवा आयात करीब सात प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ा। यह दर्शाता है कि देश कुछ महत्वपूर्ण सामग्रियों के लिए अब भी अपने पड़ोसी देश पर काफी हद तक निर्भर है।

- चीन से नौ वर्षों पहले आयात 62 प्रतिशत रहा

वर्ष 2022 में कुल 8.5 अरब डॉलर का आयात

2020-21 में सात अरब डॉलर का आयात किया गया, जिसमें से चीन से 2.9 अरब डॉलर का आयात किया गया। एजेंसी के एक अन्य निदेशक पुलकित अग्रवाल ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022 में कुल 8.5 अरब डॉलर का आयात किया गया जिसमें से 3.2 अरब डॉलर का आयात चीन से किया गया।

हवाई अड्डों पर 'सोने की परत चढ़ाने' से बचेः संसदीय समिति

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद की एक समिति ने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हवाई अड्डों पर बुनियादी ढांचे का विकास किफायती हो और यात्रा की लागत आम आदमी की पहुंच के भीतर रहे। समिति ने हवाई अड्डों पर बेवजह गोल्ड प्लेटिंग (सोने की परत चढ़ाने) और हवाई यात्रा को महंगा बनाने की अवधारणा के खिलाफ मतदान करते हुए यह सिफारिश की। 'गोल्ड प्लेटिंग' से तात्पर्य ऐसे महंगी सुविधाओं को शामिल करने से है, जो किसी परियोजना की लागत को बढ़ा देता है, हालांकि उनका मूल सेवा से विशेष संबंध नहीं होता है। राज्यसभा सासंद सुजीत कुमार की अध्यक्षता वाली समिति ने कहा कि इस क्षेत्र के अधिकतर हितधारक आम यात्री हैं, जिसकी हवाई यात्रा करने की आकांक्षा और आवश्यकता समय के साथ बढ़ती जा रही है। संसदीय समिति ने सुझाव दिया कि एशियाई प्रशांत क्षेत्र के अन्य हवाई अड्डों की तुलना में उपयोगकर्ता शुल्क किफायती और प्रतिस्पर्धी रहना चाहिए।

- यात्रा आम आदमी के लिए किफायती हो

समिति ने राज्यसभा में पेश की गई अपनी रिपोर्ट में कहा, भारत एक विकासशील देश है और यात्री कीमत को लेकर जागरूक हैं। हमारी राष्ट्रीय नागरिक विमानन नीति में सरकार द्वारा सामर्थ्य व स्थिरता पर जोर दिया गया है। समिति का मानना है कि अधिकतर लोग हवाई अड्डों का उपयोग केवल यात्रा करने, सामान 'चेक-इन' करने, आगमन पर अपना सामान लेने और अपने गंतव्य पर जाने के लिए करते हैं। अन्य बाह्य सेवाओं को यात्री सेवा जितना महत्व नहीं दिया जा सकता।

रिलायंस की नजरें अब वित्तीय सेवाओं, नए ऊर्जा कारोबार पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सबसे कम समय में भारत का सबसे बड़ा खुदरा विक्रेता व दूरसंचार संचालक बनाने के बाद अरबपति मुकेश अंबानी की निगाहें अब अपनी वित्तीय सेवा कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) के जरिए देश के सबसे बड़े गैर-बैंकिंग ऋणदाता के रूप में आगे बढ़ाने पर है।

- देश का सबसे बड़ा खुदरा विक्रेता व दूरसंचार संचालक बना

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की हालिया वार्षिक रिपोर्ट में अंबानी ने कहा कि जियो फाइनेंशियल सर्विसेज (जेएफएस) लिमिटेड, डिजिटल और खुदरा कारोबारों के कौशल का लाभ उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी 'रिलायंस की तकनीकी क्षमताओं का लाभ उठाएगी।' अंबानी ने कहा कि डिजिटल रूप से वित्तीय सेवाएं प्रदान करने वाली इकाई भारतीय नागरिकों की वित्तीय सेवाओं तक पहुंच कायम करेगी। इसके जल्द ही सूचीबद्ध होने की उम्मीद है। रिलायंस की 28 अगस्त को वार्षिक शेयरधारकों की बैठक में इस पर मार्गदर्शन मिल सकता है।

वैश्विक रुझानों पर रहेगी शेयर बाजार की नजर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इस सप्ताह शेयर बाजारों की चाल ब्याज दर पर आईबीआई के फैसले, जून के लिए औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजों से काफी हद तक तय होगी। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा वैश्विक बाजार के रुझान, तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और विदेशी निवेशकों के रुख से भी बाजार प्रभावित होगा। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा, बाजार की नजर आरबीआई मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर होगी, जिसके नतीजों की घोषणा 10 अगस्त, 2023 को होगी।

- इस सप्ताह तिमाही नतीजों, आरबीआई की बैठक भी

इसके अलावा इस सप्ताह अडाणी पोर्ट्स, कोल इंडिया, हीरो मोटोकॉर्प, हिंडाल्को और ओएनजीसी जैसी प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजों पर भी नजर रहेगी। गौर ने कहा कि वृहद आर्थिक मोर्चे पर बाजार भागीदार औद्योगिक उत्पादन और विनिर्माण उत्पादन के आंकड़ों जैसी प्रमुख घटनाओं पर करीब से नजर रखेंगे। ये आंकड़े 11 अगस्त को जारी किए जाएंगे।

आरबीआई की नीति बैठक पर रहेगी नजर

विदेशी संस्थागत निवेशक पिछले सप्ताह पूंजी बाजार में शुद्ध विक्रेता थे और इस सप्ताह उनके रुख पर कारोबारियों की नजर रहेगी। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के खुदरा अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि इस सप्ताह मुख्य रूप से आरबीआई की नीति बैठक पर नजर रहेगी।

एसबीआई को पूंजीकरण में सबसे अधिक नुकसान

नई दिल्ली। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में सात का संयुक्त बाजार मूल्यांकन पिछले सप्ताह 1,09,947.86 करोड़ रुपये घट गया। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक नुकसान हुआ। पिछले हफ्ते बीएसई सेंसेक्स में 438.95 अंक या 0.66 फीसदी की गिरावट हुई। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, एसबीआई, भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस नुकसान में रहे, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक और इंफोसिस के बाजार मूल्यांकन में वृद्धि हुई। एसबीआई का मूल्यांकन 38,197.34 करोड़ रुपये घटकर 5,11,603.38 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 17,201.84 करोड़ रुपये घटकर 6,79,293.90 करोड़ रुपये हो गया।

अंबानी को शून्य वेतन पर चेयरमैन बनाने शेयरधारकों से मांगी मंजूरी

अंबानी रिलायंस के निदेशक मंडल में 1977 से है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने मुकेश अंबानी को अगले पांच साल के लिए शून्य वेतन पर कंपनी का चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नियुक्त करने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगी है।

इस नए कार्यकाल के दौरान अंबानी (66) मुख्य कार्यकारी के पद के लिए कंपनी कानून के तहत जरूरी 70 साल की आयुसीमा को पार कर जाएंगे और आगे नियुक्ति के लिए उन्हें शेयरधारकों के विशेष प्रस्ताव की जरूरत है। विशेष प्रस्ताव में रिलायंस ने अंबानी को अप्रैल, 2029 तक कंपनी का चेयरमैन नियुक्त करने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगी है।अंबानी रिलायंस के निदेशक मंडल में 1977 से हैं और जुलाई, 2002 में अपने पिता और समूह के संस्थापक धीरूभाई अंबानी के निधन के बाद कंपनी के चेयरमैन बन गए थे।

शेयरधारकों को भेजे गए विशेष प्रस्ताव में रिलायंस ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने 21 जुलाई, 2023 को मुकेश अंबानी को प्रबंध निदेशक के तौर पर आगे पांच साल के लिए नियुक्ति करने को मंजूरी दे दी है।

महामारी के कारण अपना वेतन छोड़ने का विकल्प चुना

प्रस्ताव में कहा गया कि अंबानी ने वित्त वर्ष 2008-09 से वित्त वर्ष 2019-20 तक अपना वार्षिक पारिश्रमिक 15 करोड़ रुपये तय किया था। इसके बाद वित्त वर्ष 2020-21 के बाद से उन्होंने कोविड-19 महामारी के कारण अपना वेतन छोड़ने का विकल्प चुना।

अगले कुछ दिनों में चार नए आईपीओ लांच होने वाले

टाटा समूह से लेकर टीवीएस तक इस माह ला रहे आईपीओ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में त्योहारों के सीजन ने भले ही अभी जोर नहीं पकड़ा हो, लेकिन शेयर बाजार में पहले ही त्योहारी माहौल तैयार हो चुका है। जुलाई महीने के दौरान शेयर बाजार में कई आईपीओ देखने को मिलेंगे। बड़ी कंपनियों के साथ-साथ एसएमई सेगमेंट में भी लिस्टिंग की गतिविधियां हुईं। यह सिलसिला आगे भी बरकरार रहने वाला है।

- छह नए शेयर है लिस्टिंग की कतार में

बाजार पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अगले कुछ दिनों में चार नए आईपीओ लांच होने जा रहे हैं। मजेदार है कि आईपीओ लाने वालों में टाटा समूह और टीवीएस समूह भी शामिल हैं। इनके अलावा अगले कुछ दिन लिस्टिंग के लिहाज से भी व्यस्त साबित होने वाले हैं, क्योंकि हाल ही में लांच हुए आईपीओ के बाद 6 नए शेयर लिस्टिंग की कतार में हैं।

टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस आईपीओ

यह आईपीओ 10 अगस्त को ओपन होगा और 14 अगस्त को बंद होगा। कंपनी की योजना फ्रेश इश्यू से 600 करोड़ रुपए जुटाने की है। पहले कंपनी इस आईपीओ से 2000 करोड़ रुपये जुटाना चाह रही थी। इसमें ओएफएस के जरिए भी 1.42 करोड़ शेयर बेचे जाएंगे। शेयरों का अलॉटमेंट 22 अगस्त को होगा और सफल बोली लगाने वालों के डीमैट अकाउंट में शेयर 23 अगस्त को क्रेडिट हो जाएंगे। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 24 अगस्त को होगी।

बालाजी स्पेशियलिटी केमिकल्स आईपीओ

यह आईपीओ करीब 425 करोड़ रुपए का होगा, जिसमें फ्रेश इश्यू और ओएफएस दोनों शामिल होंगे। यह सब्सक्रिप्शन के लिए 18 अगस्त को ओपन होगा और 22 अगस्त तक उपलब्ध रहेगा। शेयरों को 25 अगस्त को अलॉट किया जाएगा और 29 अगस्त को उन्हें सब्सक्राइबर्स के खाते में डाला जाएगा। बीएसई और एनएसई पर इसके शेयरों की ट्रेडिंग 30 अगस्त से शुरू होगी।

टाटा टेक्नोलॉजीज आईपीओ

टाटा समूह के नई आईपीओ का तो लोग दशकों से इंतजार कर रहे थे। करीब 19 साल के अंतराल के बाद टाटा समूह का कोई आईपीओ बाजार में दस्तक देने जा रहा है, जिसका निवेशकों को बेसब्री से इंतजार है। कंपनी करीब 40 करोड़ शेयरों को लिस्ट कराने वाली है। इस कारण उम्मीद की जा रही है कि आईपीओ प्राइस करीब 295 रुपए हो सकता है। हालांकि अभी कंपनी की ओर से प्राइस बैंड या लिस्टिंग डिटेल्स की जानकारी नहीं दी गई है।

जीत का जश्न... पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से जीता स्वीडन

विश्व कप : चार बार का चैंपियन अमेरिका बाहर

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

स्वीडन ने महिला फुटबॉल विश्व कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में दो बार की गत चैंपियन अमेरिका को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से शिकस्त देकर बड़ा उलटफेर किया। महिला विश्व कप में चार बार की चैंपियन अमेरिका का यह सबसे खराब प्रदर्शन है। टीम पहली बार टूर्नामेंट के प्री-क्वार्टर फाइनल से आगे बढ़ने में नाकाम रही।

नियमित समय में मुकाबला गोलरहित बराबरी पर छूटने के बाद 30 मिनट के अतिरिक्त समय में भी दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रही। इस विश्व कप में यह पहला मुकाबला है जो अतिरिक्त समय में खिंचा। स्वीडन ने इससे पहले 2016 ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में भी पेनल्टी शूटआउट में अमेरिका को हराया था।

पेनल्टी शूटआउट में हुआ फैसला

पेनल्टी में छह प्रयास के बाद दोनों टीमें 4-4 की बराबरी पर थी। अमेरिका की कैली ओ'हारा इसके बाद गोल करने से चूक गई जबकि लिना हर्टिंग ने गोल कर स्वीडन को क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया। अमेरिका की गोलकीपर एलिसा नैहर ने दावा किया कि उन्होंने हर्टिंग के प्रयास को बचा लिया था। लेकिन रेफरी ने इसे लाइन के अंदर करार दिया जिसके बाद स्वीडन के समर्थक स्टेडियम में जश्न मनाने लगे।

जापान से होगा सामना

स्वीडन क्वार्टर फाइनल में 2011 विश्व कप विजेता जापान से भिड़ेगा। जापान ने शनिवार रात नॉर्वे को 3-1 से हराया था। इससे पहले मैच के नियमित और अतिरिक्त समय में अमेरिका का दबदबा रहा था लेकिन स्वीडन की गोलकीपर और रक्षापंक्ति ने उसके प्रयासों को विफल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

खबर संक्षेप

सक्कारी और गॉफ में होगा खिताबी मुकाबला

वाशिंगटन। मारिया सक्कारी ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया जहां उनका सामना कोको गॉफ से होगा। यूनान की 28 वर्षीय खिलाड़ी सक्कारी ने पेगुला को 6-3, 4-6, 6-2 से पराजित किया। वह पहला सेट जीतने के बाद दूसरे सेट में भी 4-1 से आगे चल रही थी लेकिन पेगुला ने वापसी करके मुकाबले को तीसरे सेट तक खींच दिया। एक अन्य सेमीफाइनल में गॉफ ने गत चैंपियन ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 6-3, 6-3 से हराया।

जुडोका जसलीन सैनी डोप परीक्षण में फेल

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के संभावित खिलाड़ियों में शामिल जुडोका जसलीन सिंह सैनी पिछले महीने ताइपे ओपन के दौरान किए गए डोप परीक्षण में प्रतिबंधित दवा के सेवन के दोषी पाए गए। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने के शुरू में ताइपे एशिया ओपन में पुरुषों के 66 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले टीम के एक कोच ने कहा, 'वह ताइपे ओपन के दौरान एक अंतरराष्ट्रीय एजेंसी द्वारा किए गए डोप परीक्षण में विफल रहा है। इसलिए वह एशियाई खेलों की टीम में शामिल नहीं होगा।'

कुलदीप का समर्थन कर रही टीम इंडिया

प्रोविडेंस। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल जानते हैं एकदिवसीय प्रारूप में कुलदीप यादव को उन पर प्राथमिकता क्यों दी जा रही है और वह एशिया कप और विश्व कप की टीम में जगह बनाने को लेकर चिंतित नहीं हैं। चहल को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला में अंतिम एकादश में नहीं लिया गया था। उन्होंने पहले टी20 मैच में हिस्सा लिया जो इंडियन प्रीमियर लीग के बाद उनका पहला मैच था।

इंडोनेशिया में 11वें स्थान पर रहे वीर

जकार्ता। भारतीय गोल्फर वीर अहलावत इंडोनेशिया ओपन के आखिरी दौर के 16वें होल में बोगी करने के कारण रविवार को यहां अपना अभियान शीर्ष 10 में खत्म करने से चूक गये। अहलावत 15वें होल के खेल के बाद चार अंडर के स्कोर के साथ अच्छी स्थिति में थे लेकिन 16वें होल में बोगी और 17वें तथा 18वें होल में पार स्कोर के साथ उन्होंने कुल 68 का कार्ड खेला। अहलावत संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर रहे।

■ टी20 : पांच मैचों की श्रृंखला में मेजबान टीम ने बनाई 2-0 की बढ़त

भारत की लगातार दूसरी हार दो विकेट से जीता वेस्टइंडीज

एजेंसी ▶▶| प्रोविडेंस

एक बार फिर बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण भारत को लगातार दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में पराजय झेलनी पड़ी। दो विकेट से रविवार को मिली जीत के दम पर वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 से बढ़त बना ली है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तिलक वर्मा के पहले अर्धशतक के दम पर सात विकेट पर 152 रन बनाए। जवाब में निकोलस पूरन ने 40 गेंद में 67 रन बनाकर अपनी टीम की जीत की नींव रखी। वेस्टइंडीज ने 18.5 ओवर में आठ विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

युजवेंद्र चहल ने जरूर 16वें ओवर में दो विकेट लेकर भारत को मैच में लौटाने की कोशिश की थी लेकिन अलजारी जोसेफ और अकील हुसैन ने 26 रन की अटूट साझेदारी करके भारत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। वेस्टइंडीज को आखिरी दो ओवर में 12 रन चाहिए थे और भारतीय कप्तान हार्दिक पंड्या ने अपने सबसे सफल गेंदबाज चहल को गेंद नहीं सौंपकर गलती की। पंड्या ने नई गेंद संभालते हुए पहला ओवर शानदार डाला जिसमें भारत को ब्रेंडन किंग (0) और जॉनसन चार्ल्स (2) के विकेट मिले। इसके बाद पूरन ने दबाव में आये बिना बल्लेबाजी की और पंड्या को एक छक्का भी जड़ा। उन्होंने भारत के किसी गेंदबाज को नहीं बख्शा।

जोसेफ के 100 विकेट

तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ ने भारत के दो बैटर्स को आउट किया। उन्होंने शुभमन गिल और कप्तान हार्दिक पंड्या को पवेलियन की राह दिलाई। जोसेफ ने टी-20 करियर का 100वां विकेट लिया।

तिलक का पहला अर्धशतक

इससे पहले बेखौफ बल्लेबाजी करते हुए भारत के लिये वर्मा ने 41 गेंद में 51 रन बनाए और टी20 मैचों में अर्धशतक जमाने वाले सबसे युवा भारतीय क्रिकेटर बन गए। पिछले मैच में उन्होंने 39 रन बनाए थे हालांकि भारत को पराजय का सामना करना पड़ा था। ईशान किशन ने 27 और विकेटकीपर संजू सैमसन ने 24 रन का योगदान दिया। अकील हुसैन, अल्जारी जोसेफ और रोमारियो शेफर्ड को दो-दो विकेट मिले।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
इशान किशन बो शेफर्ड	27	23	2	2
गिल का हेटमायर बो जोसेफ	07	09	0	1
सूर्यकुमार रन आउट (मायर्स)	01	03	0	0
तिलक का मैकोय बो हुसैन	51	41	5	1
सैमसन स्ट. पूरन बो हुसैन	07	07	1	0
हार्दिक पंड्या बो जोसेफ	24	18	0	2
अक्षर पटेल का पूरन बो शेफर्ड	14	12	1	0
रवि बिश्नोई नाबाद	08	04	0	1
अर्शदीप सिंह नाबाद	06	03	1	0

अतिरिक्त : 07, कुल : 20 ओवर में 152/7

गेंदबाजी : मैकोय 4-0-25-0, हुसैन 4-0-29-2, जोसेफ 4-0-28-2, होल्डर 4-0-29-0, शेफर्ड 3-0-28-2, मायर्स 1-0-12-0.

वेस्टइंडीज	रन	गेंद	4	6
किंग का यादव बो पंड्या	00	01	0	0
मायर्स पगबाधा बो अर्शदीप	15	07	2	1
चार्ल्स का वर्मा बो पंड्या	02	03	0	0
पूरन का सैमसन बो मुकेश	67	40	6	4
पॉवेल का मुकेश बो पंड्या	21	19	1	1
हेटमायेर पगबाधा बो चहल	22	22	1	1
रोमारियो शेफर्ड रन आउट	00	00	0	0
होल्डर स्ट ईशान बो चहल	00	03	0	0
अकील हुसैन नाबाद	16	10	2	0
अलजारी जोसेफ नाबाद	10	08	0	1

अतिरिक्त : 02, कुल : 18.5 ओवर में 155/8

गेंदबाजी : पंड्या 4-0-35-3, अर्शदीप 4-0-34-1, मुकेश 3.5-0-35-1, बिश्नोई 4-0-31-0, चहल 3-0-19-2.

नीदरलैंड ने 2-0 की जीत से क्वार्टर में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| सिडनी

नीदरलैंड ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर महिला विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

जिल रूर्ड और लिनेथ बीरेनस्टीन ने सिडनी फुटबॉल स्टेडियम में प्रत्येक हाफ में गोल करके 2019 के उपविजेता को अंतिम आठ में जगह दिलाई। टूर्नामेंट में उलटफेर भरी जीत दर्ज करके नॉकआउट चरण में पहुंचने वाले दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड को आसानी से जीत दर्ज नहीं करने दी। नीदरलैंड की गोलकीपर डाफ्ने वान डोमसेलर की तारीफ करनी होगी जिन्होंने थेम्बी कगाटलाना के कई हमलों को नाकाम किया। नीदरलैंड क्वार्टर फाइनल में स्पेन से भिड़ेगा लेकिन उसकी स्टार खिलाड़ी वान डी डोन्क दूसरा पीला कार्ड मिलने के कारण इस मैच में नहीं खेल पाएगी।

चेन्नईयिन ने आयुष के साथ अनुबंध किया

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी ने रविवार को इंडियन सुपर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के नए सत्र से पहले सेंट्रल मिडफील्डर आयुष अधिकारी के साथ अनुबंध करने की घोषणा की। अधिकारी इससे पहले केरला ब्लास्टर्स एफसी की तरफ से खेल रहे थे। चेन्नईयिन एफसी ने बयान में कहा कि नए सत्र से पहले वह क्लब से जुड़ने वाले 11वें खिलाड़ी हैं। दिल्ली में जन्मे अधिकारी ने केरला ब्लास्टर्स की तरफ से आर एफ डेवलपमेंट लीग में एक गोल किया था।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी

भारत ने मलेशिया को 5-0 से हराया, पहुंचा शीर्ष पर

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

■ भारत आज दक्षिण कोरिया के खिलाफ खेलेगा मुकाबला

जीत की राह पर वापसी करते हुए भारतीय हॉकी टीम ने मलेशिया को एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के राउंड रॉबिन मैच में रविवार को 5-0 से हरा दिया। भारत के लिए कार्ति सेल्वम (15वां मिनट), हार्दिक सिंह (32वां), कप्तान हरमनप्रीत सिंह (42वां), गुरजंत सिंह (53वां) और जुगराज सिंह (54वां) ने गोल दागे। इस जीत के बाद भारत तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है और सेमीफाइनल का मार्ग भी प्रशस्त कर लिया।

पाकिस्तान और जापान मैच ड्रॉ

चेन्नई। पाकिस्तान और जापान ने रविवार को 3-3 से ड्रॉ खेला। इससे दोनों टीमें सेमीफाइनल की दौड़ में बनी हुई हैं। पाकिस्तान पांचवें और जापान चौथे स्थान पर है। दोनों टीमों ने शुरू ही से आक्रामक रूख बनाए रखा।

चीन ने कोरिया को बराबरी पर रोका

चीन ने रक्षापंक्ति की शानदार प्रदर्शन के दम पर रविवार को यहां एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के राउंड-रोबिन मैच में मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। जोंगह्युन जांग ने कोरिया के लिए मैच का पहला गोल किया तो वहीं यहां के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में चोंगकोंग चेन ने चीन के लिए बराबरी का गोल दागा।

जेसीबी ओपन में पांचवें स्थान पर रहे जीव

उतोक्सेटर। सीनियर ब्रिटिश ओपन में शीर्ष 15 में रहने के बाद भारत के अनुभवी गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए जेसीबी ओपन सीनियर गोल्फ प्रतियोगिता में संयुक्त पांचवा स्थान हासिल किया।भारी बारिश और तूफान के कारण इस प्रतियोगिता के अंतिम दौर का खेल नहीं हो पाया और इस तरह से इसे 36 होल तक सीमित कर दिया गया। जीव ने पहले दो दौर में 69 और 72 का कार्ड खेला था। इस तरह से उनका कुल स्कोर तीन अंडर 141 रहा। राइडर कप के पूर्व स्टार पीटर बेकर 36 होल के बाद एकल बढ़त पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया ओपन में उपविजेता रहे प्रणय

एजेंसी ▶▶| सिडनी

भारत के एचएस प्रणय को रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में चीन के वेंग होंग यांग से तीन गेम तक चले रोमांचक मैच में हार का सामना करना पड़ा।

केरल के रहने वाले 31 वर्षीय प्रणय ने पहला गेम गंवाने के बाद अच्छी वापसी की लेकिन निर्णायक गेम में वह पांच अंक की बढ़त का फायदा नहीं उठा पाए और विश्व में 24वें नंबर के खिलाड़ी वेंग से 9-21, 23-21, 20-22 से हार गए। कोरिया ओपन (2022) और चीन ओपन (2019) का खिताब जीतने वाले यांग ने इस जीत के साथ ही मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में इस भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ मिली हार का बदला भी चुकता कर लिया। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच इससे पहले केवल एक मुकाबला हुआ था। प्रणय ने उस मैच में तीन गेम में जीत दर्ज करके मलेशिया मास्टर्स का खिताब जीता था।

दिल्ली ने हैदराबाद को बराबरी पर रोका

गुवाहाटी। आई लीग की टीम दिल्ली एफसी ने रविवार को यहां डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप ई के मैच में पिछले साल सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले हैदराबाद एफसी को 1-1 से बराबरी पर रोका। दिल्ली एफसी के लिए हिमांशु जांगड़ा ने छठे मिनट में गोल किया, जबकि दूसरे हाफ (57वें मिनट) में रामहलुंचुंगा ने हैदराबाद एफसी के लिए बराबरी का गोल दागा। बारिश के बीच खेले गए मैच में दोनों टीम संघर्ष करती नजर आई। दिल्ली की टीम ने हालांकि परिस्थितियों से बेहतर सामंजस्य बिठाया और शुरू में बढ़त बनाकर हैदराबाद पर दबाव बना दिया। दिल्ली ने मध्यांतर तक अपनी बढ़त कायम रखी थी लेकिन दूसरे हाफ में वह इसे बरकरार नहीं रख पाया।

मंजूनाथ 14.5 लाख में बिके बने सबसे महंगे खिलाड़ी

■ जीपीबीएल प्लेयर्स ड्राफ्ट : लीग का आयोजन 27 से

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

राष्ट्रीय चैंपियन मिथुन मंजूनाथ 'ग्रां प्री बैडमिंटन लीग' के दूसरे सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी में सबसे अधिक रकम हासिल करने वाले खिलाड़ी बनकर उभरे। इस लीग का आयोजन यहां 27 अगस्त से नौ सितंबर तक होगा। मिथुन को टीम में शामिल करने के लिए बेंगलुरु टाइगर्स ने भी पूरा जोर लगाया लेकिन चेन्नई सुपरस्टार्स ने इस खिलाड़ी के लिए 14.5 लाख रुपए बोली लगाकर बाजी मार ली।

मिथुन आइकन वर्ग के खिलाड़ियों में शामिल थे जिनका आधार मूल्य आठ लाख रुपए था। लीग में शामिल टीमों को दो से अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को चुनने का विकल्प दिए जाने के बाद 15 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का भी चयन किया गया। बेंगलुरु टाइगर्स ने शिन बेक चेओल को दूसरी सबसे बड़ी बोली के साथ टीम में शामिल किया। कोरिया के इस खिलाड़ी के लिए फ्रेंचाइजी ने 14 लाख रुपए खर्च किए। चेओल के हमवतन ली डोंग क्यून को गुजरात लायंस ने 13 लाख रुपए में खरीदा, जबकि विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता बी साई प्रणीत को नॉर्थईस्ट राइनोज ने 10 लाख रुपए में खरीदा। यूक्रेन की पोलीना बुहरोवा ने पांचवीं सबसे बड़ी बोली हासिल की।

जिन्हें मुंबई वॉल्व्स ने नौ लाख रुपए में खरीदा। ड्राफ्ट में आगामी सत्र में आठ टीमों का प्रतिनिधित्व करने के लिए 150 खिलाड़ियों की सूची में से 80 खिलाड़ियों का चयन किया गया। इस नीलामी के लिए 500 से अधिक खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया था।

सेहत के लिए बेहद लाभकारी है चावल का पानी, जानें इसके लाभ

चावल तो लगभग हर भारतीय घर में बनाए ही जाते हैं। अक्सर हम सभी चावल के पानी को यूं ही बेकार समझकर फेंक देते हैं। जबकि चावल को पकाने के बाद बचा हुआ पानी सेहत के लिए बेहद ही लाभकारी साबित हो सकता है। दरअसल, यह स्टार्चयुक्त पानी होता है, जो सेहत पर कई सकारात्मक असर डाल सकता है। तो चलिए आज लेख में हम आपको चावल के पानी से मिलने वाले कुछ बेमिसाल हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बता रहे हैं-

चावल का पानी डाइजेस्टिव हेल्थ के लिए काफी अच्छा माना गया है। अक्सर लोग दस्त जैसी पाचन संबंधी समस्याओं के घरेलू इलाज के रूप में चावल के पानी का इस्तेमाल करते हैं। दरअसल, चावल के पानी में मौजूद स्टार्च स्टमक लाइनिंग को आराम पहुंचाता है। साथ ही साथ, इससे आपको पेट में होने वाले दर्द व बैचेनी से भी राहत मिलती है।

हाइड्रेशन लेवल करे मेंटेन– यह तो हम सभी जानते हैं कि स्वस्थ रहने के लिए व्यक्ति को अपने बॉडी हाइड्रेशन को बनाए रखना आवश्यक होता है। ऐसे में अगर चावल के पानी का सेवन किया जाता है, तो इससे हाइड्रेटेड रहने में मदद मिल सकती है। खासकर अगर आप ऐसी जगह पर रहते हैं, जहां पर पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी अवेलेबल नहीं होता है। चावल के पानी में मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स और पानी की मात्रा शरीर में तरल पदार्थों की पूर्ति कर सकती है।

मिलते हैं कई पोषक तत्व– चावल के पानी का सेवन करने से आपके शरीर को कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं। दरअसल, चावल के पानी में विटामिन बी और ई के साथ-साथ पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स होते हैं। जिससे आपकी सेहत को लाभ मिलता है।

बाइडेन के कारण ताइवान की स्थिति खराब हुईः ट्रंप

वाशिंगटन, (एजेंसी)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ताइवान के आसपास की स्थिति इसलिए खराब हुई है क्योंकि चीन को लगता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन अक्षम हैं। श्री ट्रंप ने शनिवार को दक्षिण कैरोलिना की एक रैली में कहा, ''चीन अंदर नहीं जाएगा, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ताइवान नहीं जाएंगे और वह वहां जाने के बहुत करीब हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि हमारे राष्ट्रपति बाइडेन अक्षम हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि चीनी नेता के मन में अब अमेरिका के लिए कोई सम्मान नहीं है जबकि मेरे कार्यकाल के दौरान वह हमारे देश का बहुत सम्मान करते थे।

दिल्ली में मिला पुराना मोर्टार सेल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में एक पुराना मोर्टार सेल बरामद हुआ है।अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने रविवार को रोहिणी सेक्टर में मुनक नहर से एक पुराना मोर्टार सेल बरामद किया। मौके पर एनएसजी की टीम ने पहुंचकर मुआयना किया। और उस निष्क्रिय किया। पुलिस उपायुक्त (उत्तरी दिल्ली, आउटर) रवि कुमार सिंह ने कहा कि समयपुर बादली पुलिस थाना क्षेत्र के रोहिणी सेक्टर 28 में नहर से यह गोला बरामद हुआ है। सिंह ने कहा, यह एक पुराना और खोखला गोला लग रहा है लेकिन इसके निपटारे के लिए सभी सावधानियां बरती गई।

इजरायल में न्यायिक सुधार के विरोध में प्रदर्शन

तेल अवीव, (एजेंसी)। इजरायल में न्यायिक सुधार के विरोध में लगातार 31वें सप्ताह प्रदर्शन जारी है और शनिवार को भी हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर आये। इजरायली टेलीविज़न की रिपोर्ट में तेल अवीव में उपस्थिति प्रदर्शनकारियों की संख्या एक लाख से अधिक बताई है, जो पिछले सप्ताहांत में बताई गई संख्या से करीब आधी है। आयोजकों ने बताया कि देश भर में 150 स्थानों पर प्रदर्शन हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि सरकारी परिसर के पास रैली ने तेल अवीव के मध्य में यातायात को बाधित कर दिया। भीड़ राष्ट्रीय झंडे लहराते हुए सरकार विरोधी नारे लगा रही थी।

श्रीलंका में 90 हजार लोग सूखे से प्रभावित

कोलंबो, (एजेंसी)। श्रीलंका के चार प्रांतों में लगभग 90 हजार लोग सूखे से प्रभावित हुए हैं। यह जानकारी श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने रविवार को दी। डीएमसी ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में सबारागामुवा, पूर्वी प्रांत, उत्तर पश्चिमी प्रांत और उत्तरी प्रांत शामिल हैं। डीएमसी के अनुसार, सूखे से 27,885 परिवारों के कुल 89,485 लोग प्रभावित हुए हैं और उत्तरी प्रांत का जाफना जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां 21,714 परिवारों के 69,113 लोग प्रभावित हुए हैं। डीएमसी के अनुसार, दक्षिण एशिया के द्वीप देश में सूखा आमतौर पर मानसून में देरी या वर्षा की अस्थायी विषमता के कारण होता है।

हिमाचल के ब्यास नदी में बहा युवक, तलाश जारी

शिमला, (एजेंसी)। हिमाचल के कुल्लू में एक युवक की ब्यास नदी में बहने की खबर आई। युवक कुछ दूरी तक तो बहता हुआ दिखता रहा, लेकिन उसके बाद वह पानी में डूब गया और उसके बाद नहीं दिखा। पुलिस युवक की तलाश की जा रही है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक की तलाश आरंभ की। मामला शनिवार दोपहर बाद 15 मील के पास से सामने आया है। बताया जा रहा है कि यह युवक कबाड़ इक्ट्ठा करने का काम करता था। शनिवार को जब युवक ब्यास नदी किनारे कबाड़ इक्ट्ठा कर रहा था, इसी दौरान अचानक से उसका पैर फिसला और वह नदी में गिर गया। पानी का तेज बहाव युवक को अपने साथ बहा ले गया। पुलिस ने बताया जा रहा है कि वहीं पर कुछ दूरी पर कुछ लोग खड़े थे। इन लोगों के अनुसार युवक को ब्यास में बहते हुए देखा।

कूनो में चीतों की हो रही मौतों के बाद कोटा में बसाने की मांग ने पकड़ा जोर

कोटा, (एजेंसी)। मप्र के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में चीतों की लगातार मौत पर सुप्रीम कोर्ट के चिंता जताने व प्रसंज्ञान लेने एवं कोटा जिले के मुकुंदरा हिल्स टाईगर रिजर्व में बसाने की सलाह के बावजूद राजनीतिक कारणों से इस तरह पर अमल होने की संभावना कम है।

राजस्थान के किसी भी अभयारण्य में चीतों को बसाने के मसले पर राज्य सरकार एवं वन्यजीव विभाग ने कोई सकारात्मक पहल करने में रुचि नहीं दिखाई है। राज्य वाइल्ड लाइफ बोर्ड से इसी नकारात्मक रवैया के कारण इस्तीफा दे चुके सांगोद विधानसभा क्षेत्र से वरिष्ठ विधायक भरत सिंह कुंदनपुर ने एक बार फिर केंद्र सरकार के सम्मुख यह मामला रखा है और कहा है कि जब चीता विशेषज्ञ ही कूनो अभयारण्य क्षेत्र में चीतों की मौत को लेकर चिंतित है और उन्हें मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व में बसाने की सलाह दे रहे हैं। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट भी ऐसी सलाह दे चुकी है, तब भी केंद्र व राज्यों की सरकारें अपनी राजनीतिक निष्ठाओं को छोड़कर, उससे उपर उठकर दशकों बाद भारत में एक बार फिर से आबाद होने के सुनहरे अवसर को हाथ से नहीं जाने देने के लिए सतत प्रयास क्यों नहीं कर रही है? श्री सिंह ने राज्य सरकार और सभी सांसदों से इस मामले में केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की बात कहते हुए अनुरोध किया कि राजनेताओं को इस पूरे प्रकरण को राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाये वन और वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में सार्थक कदम उठाने चाहिए।

विशेषज्ञों की सलाह

बीते जुलाई माह में पहले सुप्रीम कोर्ट और अब दक्षिणी अफ्रीका के चीता विशेषज्ञों के कूनो नेशनल पार्क में चीतों की मौत पर चिंता जताते हुए इन चीतों को मुकुंदरा हिल्स नेशनल पार्क में स्थानांतरित करने की सलाह दी जा रही है, लेकिन अब तक इस पर केंद्र सरकार और मप्र की भाजपा की सरकार ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त की है। वैसे भी श्योपुर जिले के कूनो अभयारण्य में चीते बसाने का फैसला राजस्थान के दमदार दावे के बावजूद राजनीतिक कारणों से किया गया था इसलिए अब इसमें कोई तब्दीली आ जाएगी, ऐसे कोई आसार नहीं है।

श्रीनगर के ऐतिहासिक लाल चौक पर नया घंटाघर बना

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के मेयर जुनैद अजीम मट्टू ने रिकॉर्ड समय में ऐतिहासिक लाल चौक चौराहे पर नया प्रतिष्ठित घंटा घर बनाने के लिए श्रीनगर नगर निगम (एसएमसी) कर्मचारी इकाई की सराहना की है।

उन्होंने कहा कि घंटाघर पीढ़ियों से एक ऐतिहासिक स्थल रहा है, जिसका नाम मॉस्को के रेड स्क्वायर से लिया गया है। श्रीनगर स्मार्ट सिटी लिमिटेड परियोजना के तहत राजधानी श्रीनगर लाल चौक में नया घंटाघर बनाया गया है।मेयर ने शनिवार को लाल चौक पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया और काम की त्रुटिहीन गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए रिकॉर्ड समय में नए प्रतिष्ठित घंटाघर का निर्माण करने के लिए श्रीनगर निगर निगम के कर्मचारियों की सराहना की।

इस दौरान उनके साथ लाल चौक गए एसएमसी और एसएससीएल के वरिष्ठ इंजीनियरों और अधिकारियों ने उन्हें इन कार्यों की प्रगति और विवरण के बारे में जानकारी दी।श्री जुनैद मट्टू ने चल रहे कार्यों को तेजी से पूरा करने के लिए प्रयासों को दोगुना करने के निर्देश दिए और लाल चौक पर स्थानीय व्यापारियों और उनके प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत की।

उन्होंने मीडिया से कहा कि ये प्रतिष्ठित परियोजनाएं हैं जिन्हें पिछले पांच वर्षों में श्रीनगर में शुरू और वितरित किए गए परिवर्तनकारी विकास कार्यों की लंबी सूची में जोड़ा गया है। शहर को पुनर्जीवित किया गया है। इसका उद्देश्य इसे स्थानीय निवासियों के साथ-साथ पर्यटकों के लिए आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक आधुनिक पर्यटक शहर के रूप में विकसित करना है।

सारस के बाद अब बाज से दोस्ती को लेकर चर्चा में आरिफ

अमेठी, (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश में सारस के साथ दोस्ती को लेकर चर्चा में रहने वाले आरिफ एक बार फिर पक्षी प्रेम की वजह से सुर्खियों में हैं। सारस के बाद आरिफ को चोटिल अवस्था में एक बाज मिला है, जो आरिफ का घर छोड़कर कहीं नहीं जा रहा है। साथ ही आरिफ के साथ बाज की गहरी दोस्ती हो गई है। अब बाज आरिफ के परिजनों के साथ घुलमिल गया है।

जामो विकासखंड के मंडखा गांव के निवासी आरिफ की दोस्ती एक चोटिल बाज से हो गई है। चोटिल अवस्था में बाज आरिफ को एक महीने पहले मिला था, जिसका इलाज कराने के बाद आरिफ ने उसको छोड़ दिया था। मगर, बाज आरिफ का घर छोड़कर जाने को तैयार नहीं है और आरिफ और बाज की दोस्ती एक बार फिर इलाके में चर्चा का विषय बन गई है।

चोटिल अवस्था में आरिफ को मिला था बाजः वहीं, बाज की दोस्ती को लेकर आरिफ ने बताया कि सारस के जाने के बाद यह बाज हमको चोटिल अवस्था में मिला। इसका इलाज कराने के बाद उसको छोड़ दिया था। लेकिन, यह मुझे छोड़कर नहीं जा रहा है। यह दिन भर घर के आसपास रहता है। कहीं जाता नहीं है। सारस को हमसे अलग कर दिया गया था। यह राजकीय पक्षी नहीं है, इसलिए शायद अलग न हो और प्रेम की कोई भाषा नहीं होती है।

सेंथिलबालाजी के परिसरों पर ईडी के छापे में 22 लाख नगद जब्त

चेन्नई, (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तमिलनाडु के मंत्री वी. सेंथिलबालाजी के आवास और कार्यालय परिसरों में 60 भूमि भूखंडों के अस्पष्ट संपत्ति दस्तावेज, 22 लाख रुपए की नकदी और 16.6 लाख रुपये की बेहिसाब कीमती चीजें जब्त की है। ईडी ने सेंथिलबालाजी को नकदी के बदले नौकरी घोटाले मामले में गिरफ्तार किया था और वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी ने ट्वीट में कहा कि तलाशी के दौरान 22 लाख रुपये की नकदी और 16.6 लाख रुपये के बेहिसाब कीमती सामान के साथ-साथ 60 भूमि के अस्पष्ट संपत्ति दस्तावेज जब्त किये गये है। ईडी ने 'नौकरियों के लिए नगदी' घोटाले के संबंध में चेन्नई सिटी पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) द्वारा दर्ज तीन एफआईआर के आधार पर जांच कर रही।

नूंह हिंसा में अब एक्शन में सरकार 37 इमारतों पर चलाया बुलडोजर

नूंह, (एजेंसी)। हरियाणा के नूंह में हुई हिंसा को लेकर बुलडोजर एक्शन लगातार जारी है। रविवार को भी भारी पुलिस बल की मौजूदगी में हिंसा वाले इलाके में अवैध होटलों पर बुलडोजर चला। आरोप है कि उन होटल को अवैध तरीके से बनाया गया था और उन्हीं होटलों से 31 जुलाई को दंगाई छिपकर पथराव कर रहे थे। वहीं हरियाणा पुलिस ऐसी सभी इमारतों की पहचान कर रही है जहां से पत्थर फेंके गए थे। पुलिस अधिकारी का कहना है कि ऐसी सभी इमारतों पर एक्शन होगा।

रविवार को प्रेस कांन्फ्रेंस करते हुए एसपी नूंह नरेंद्र बिजारनिया ने कहा कि हरियाणा से सटे राजस्थान के इलाकों से भी लोग नूंह में दाखिल हुए थे। हम राजस्थान पुलिस से संपर्क में हैं, बाकी दूसरे स्टेट के लोग होंगे तो वहां की पुलिस से भी संपर्क करेंगे। बुलडोजर उन बिल्डिंग पर भी चला है, जहां से पत्थर फेंके जा रहे थे। सबने देखा किस-किस बिल्डिंग से पथराव किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि हम उन घरों और बिल्डिंग की पहचान कर रहे हैं, जहां से पत्थर फेंके गए। वहां भी एक्शन होगा। जो डरकर छुप रहा है, इसका मतलब उसने गलती की है। अगर कोई गलत नहीं है तो वो पुलिस के सामने आए। निर्दोष लोगों पर कोई एक्शन नहीं होगा। अब तक 37 बिल्डिंग पर बुलडोजर चला है और कई एकड़ की जमीन खाली करवाई गई है।

31 जुलाई को हिंसा के बाद से जारी है एक्शनः बता दें कि हरियाणा के नूंह में 31 जुलाई को हुई हिंसा के बाद सरकार एक्शन मोड में आ गई है। सरकारी एजेंसियों ने उपद्रवियों की तलाश शुरू कर दी है। उनकी अवैध संपत्तियों को भी ढहाया जा रहा है।

कर्फ्यू में आज से रहेगी ढील

हिंसा के बाद से नूंह में कर्फ्यू जारी है। इसके चलते स्थानीय लोगों के घरों से निकलने पर पाबंदी है। हालांकि स्थिति सामान्य होते देख सरकार ने कर्फ्यू में ढील देने का फैसला किया है। कर्फ्यू में 7 अगस्त सोमवार को ढील दी गई है। सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक लोग आवाजाही कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने इसको लेकर आदेश जारी किए हैं।

अतिक्रमण के खिलाफ जारी रहेगा अभियान

जिला प्रशासन ने शनिवार को नलहर मेडिकल कॉलेज के आसपास की 2.6 एकड़ जमीन समेत 12 अलग-अलग स्थानों पर अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया। डीएम ने कहा, अवैध निर्माण और असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई चलती रही है। ऐसे लोगों को चिह्नित किया जा रहा है। एसडीएम अश्विनी कुमार ने कहा, ये अवैध निर्माण थे। तोड़े गए निर्माणों के मालिकों को पहले ही नोटिस दिए गए थे। ब्रज मंडल धार्मिक यात्रा के दौरान हुई हिंसा में कुछ अवैध निर्माण के मालिक भी शामिल थे। अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

नई संसद का सुरक्षा कवच बनेगा एआई, दरवाजों पर खास डिवाइस

नई दिल्ली। नए संसद भवन को हाईटेक और सुरक्षित बनाने की तैयारी हो चुकी है। इस बार सुरक्षा की जिम्मेदारी एआई को दी है, जो किसी भी अनजान व्यक्ति को अंदर एंटर तक नहीं करने देगा। दरअसल, इस बार एडवांस फेसशियल आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस मैकेनिज्म का इस्तेमाल किया गया। इससे नए संसद भवन के दरवाजे फेस स्कैनिंग के बाद ही ओपेन होंगे। आइए जानते हैं कैसे एआई बनेगा नए संसद भवन का सुरक्षाकवच बनेगा।

एडवांस सिस्टम के लिए फेस स्कैन से लेकर अन्य बायोमैट्रिक डिटेल्स ली जा रही है, जिसमें पासपोर्ट रेन्यूवल और बनाने तक की जानकारी तक शामिल है। अगर स्कैन सिस्टम काम नहीं करेगा, तो संसद सदस्य थंबप्रिंट स्कैनर और यूनिक पिन एंटर करके नए संसद भवन में प्रवेश कर सकते हैं।

एटीएम के जैसा स्मार्ट कार्ड भी मिलेगा

एक स्मार्ट कार्ड तैयार किया जा रहा है, जो एटीएम या क्रेडिट कार्ड की तरह होगा। इसमें स्मार्ट कार्ड ऑपरेटिंग सिस्टम फॉर ट्रांसपोर्ट एप्लीकेशन का इस्तेमाल किया है। इस सिस्टम को सुरक्षा के मद्देनजर तैयार किया गया है, जो चुनिंदा लोगों को चुनिंदा जगह का एक्सेस प्रोवाइड कराएगा। इस डेटा को इनक्रिप्ट फॉर्म में सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कंप्यूटिंग (सीडेक) द्वारा तैयार किया जा सकता है। मिनीस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रोनिक्स एंड इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी के तहत सीडेक आता है।

Filmi तड़का

10वें दिन 100 करोड़ क्लब में शामिल 'रॉकी और रानी..' 2023 की 6वीं बड़ी फिल्म बनी...

मुंबई। अभिनेता रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का जादू दर्शकों पर चला, जिसका असर फिल्म की कमाई पर दिख रहा है। 10वें दिन फिल्म, 100 करोड़ क्लब में शामिल हो जाएगी। सूत्रों के अनुसार फिल्म 100 करोड़ का आंकड़े को छू लिया है। करण जौहर निर्देशित फिल्म 10वें दिन कितनी कमाई की है इसका अंतिम आंकड़ा आना बाकी है।। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' ने 9 दिनों में 91.58 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने 10वें दिन 13 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर सकती है। यानी 10वें दिन फिल्म 100 करोड़ क्लब में शामिल हो जाएगी। 100 करोड़ क्लब में एंट्री के साथ ही फिल्म साल 2023 की 6वीं, 100 करोड़ी इंडियन फिल्म बन जाएगी। इस साल की यह छठवीं फिल्म है, जिसने 100 करोड़ का बिजनेस किया।

वाघा बॉर्डर पर सन्नी देओल और अमीषा पटेल ने किया फिल्म का प्रचार, उदित नारायण भी रहे मौजूद

अमृतसर। बीते दिन अभिनेता सनी देओल और अभिनेत्री अमीषा पटेल को पंजाब के अमृतसर में स्पॉट किया गया। यहाँ उन्होंने पहले स्वर्ण मंदिर में माथा टेका। इसके बाद सनी और अमीषा ने वाघा बॉर्डर पहुंचकर वहां अपनी फिल्म का प्रचार किया। यहाँ उन्होंने रिट्रीट समारोह में भी हिस्सा लिया। इस दौरान उदित नारायण भी उनके साथ मौजूद थे। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल और अभिनेत्री अमीषा पटेल की फिल्म 'गदर 2' 11 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इसलिए दोनों कलाकार अपनी आगामी फिल्म का जमकर प्रचार करते नजर आ रहे हैं। दोनों पहले राजस्थान गए। इसके बाद उन्होंने दिल्ली में फिल्म का प्रचार किया। बीते दिन दोनों को पंजाब के अमृतसर में स्पॉट किया गया। यहाँ उन्होंने पहले स्वर्ण मंदिर में माथा टेका। इसके बाद सनी और अमीषा ने वाघा बॉर्डर पहुंचकर वहां अपनी फिल्म का प्रचार किया। यहाँ उन्होंने बीएसएफ के जवानों के साथ रिट्रीट समारोह में भी हिस्सा लिया। इस दौरान सिंगर उदित नारायण भी उनके साथ मौजूद थे। अभिनेता ने अपनी पंजाब यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की है, जो चर्चा में बनी हुई हैं।

सनी देओल ने नेपोटिज्म पर रखी रायः बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने नेपोटिज्म पर अपनी राय रखते हुए बताया है कि यदि उनके पिता धर्मेन्द्र अभिनेता नहीं होते तो शायद वह भी अभिनेता नहीं होते, हालांकि सफलता व्यक्तिगत होती है। फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म को लेकर हमेशा से विवाद होता है। स्टार किड्स को आसानी से फिल्म इंडस्ट्री में काम करने का मौका मिल जाता है, जबकि टैलेंटेड आउट साइडर्स को काम के लिए मशक्कत करनी पड़ती है। स्टार किड्स हमेशा ट्रोलर्स के निशाने पर ह ोते हैं। सनी देओल को फिल्म इंडस्ट्री में आये हुएचार दशक हो गए हैं।

मुस्लिम गायक ने गाया भजन तो हो गई भाई की हत्या

फरमानी नाज से था पारिवारिक रिश्ता

मुजफ्फरनगर, (ब्यूरो)। उप्र के मुजफ्फरनगर में मुस्लिम गायक द्वारा भजन गाए जाने को लेकर विवाद के बाद उसके नाबालिग भाई की हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि भजन गाने को लेकर हुए झगड़े में मुस्लिम गायक के 17 साल के भाई की अज्ञात हमलावरों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित खुर्शीद गायिका फरमानी नाज का चचेरा भाई है।

एसपी (ग्रामीण) अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि घटना शनिवार रात रतनपुरी के मुहम्मदपुर माफी गांव में हुई। उन्होंने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और हत्या की जांच शुरू कर दी गई है। भगवान शिव की स्तुति करने वाला एक भक्ति गीत 'हर हर शंभू' पिछले साल नाज द्वारा गाया गया था, जिसे देवबंद के एक मौलवी ने गैर-इस्लामी और हराम (निषिद्ध) करार दिया था।

मुजफ्फरनगर की रहने वाली नाज ने अपना बचाव करते हुए कहा था कि कलाकारों का कोई धर्म नहीं होता और उन्होंने कोई गलती नहीं की है। उन्होंने सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल के सीज़न 12 में भी भाग लिया था।

किम जोंग उन ने गन फैक्टरी पहुंचकर कहा प्रोडक्शन बढ़ाओ

प्योंगयांग, (एजेंसी)। उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग उन देश में हथियारों का प्रोडक्शन बढ़ाने में जोरशोर से लगा हुआ है। इसी सिलसिले में वह वेपन फैक्टरी का अचानक दौरा करने पहुंचा। इस दौरान उसने खुद क्रूज मिसाइलों और मानव रहित हवाई वाहनों के लिए इंजन के उत्पादन का जायजा लिया। किम जोंग के इस दौरे को युद्ध की तैयारी से जोड़कर देखा जा रहा है। वह सेना के साथ मिलकर हथियारों का प्रोडक्शन तेज करना चाहता है। इसे लेकर कई सारे देश पहले ही अपनी चिंता जाहिर कर चुके हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, किम जोंग उन ने सुपर लार्ज-कैलिबर मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर और ट्रांसपोर्टर-इरेक्टर-लॉन्चर के लिए गोले बनाने वाली फैक्टरियों का भी जायजा लिया। मालूम हो कि इनका इस्तेमाल आमतौर पर बैलिस्टिक मिसाइलों को फायर करने के लिए किया जाता है। बताया जा रहा है कि तानाशाह ने देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए कारखानों में उत्पादन क्षमता बढ़ाने के भी निर्देश दिए।

पाकिस्तान में एक्सप्रेस ट्रेन की बोगियां हुई बेपटरी, 34 की मौत, 100 घायल

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के शहर कराची से 275 किलोमीटर दूर स्थित सहारा रेलवे स्टेशन के पास रविवार को हवेलियन जा रही हजारा एक्सप्रेस की लगभग 10 बोगियों के पटरी से उतर जाने से कम से कम 34 यात्रियों की मौत हो गई और 100 अन्य घायल हो गए। जियो न्यूज ने यह जानकारी दी।

ट्रेन दुर्घटना के बाद सिंध के आंतरिक जिलों से आने-जाने वाली ट्रेनों का संचालन निलंबित कर दिया गया है। प्रभावितों को नवाबशाह के पीपुल्स मेडिकल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, अधिक लोगों के घायल होने की आशंका है, क्योंकि अधिकारियों का कहना है कि पटरी से उतरने के पीछे का कारण अभी तक ज्ञात नहीं है।

रेलवे मंडल अधीक्षक सुक्कुर महमूदुर रहमान ने पुष्टि की कि ट्रेन दुर्घटना में 10 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी प्राप्त की जा रही है। पुलिस ने कहा कि प्रभावित बोगियों से यात्रियों को निकालने के लिए बचाव प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन के अनुसार दुर्घटना के बाद आसपास के अस्पतालों में आपातकाल लागू कर दिया गया है। श्री रहमान ने कहा कि राहत गतिविधियों को चलाने के लिए एक ट्रेन लोको शेड रोहरी से घटना स्थल पर पहुंच गई है। दुर्घटना स्थल तक पहुंचने में कम से कम तीन घंटे का समय लेगा। ताजा दुर्घटना कराची से सियालकोट जा रही अल्लामा इकबाल एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतरने के ठीक एक दिन बाद हुई। उस हादसे में भी किसी को चोट नहीं आई।

घुसपैठ कर रहा आतंकी ढेर

कुपवाड़ा, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सेना ने रविवार को एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। इस दौरान एक आतंकी मारा गया। दरअसल, सेना को विश्वसनीय सूत्रों से घुसपैठ का इनपुट मिला था। इसके आधार पर कुपवाड़ा के तंगधार सेक्टर के दखें-अमरोही इलाके में पुलिस और सेना द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया। सेना द्वारा बताया गया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान, हमारी तरफ घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे आतंकियों की हरकत देखी गई। संयुक्त दल ने उन्हें चुनौती दी, जिसमें एक आतंकी को ढेर किया। घनी झाड़ियों व ऊबड़-खाबड़ इलाके का फायदा उठाकर दो से तीन अन्य आतंकी नियंत्रण रेखा के पाक की ओर वापस भाग गए।

आज का इतिहास

- 1606: शेक्सपियर के नाटट मैक्बेथ का पहली बार मंचन किंग जेम्स प्रथम के लिए किया गया।
- 1753: ब्रिटेन म्यूजियम की स्थापना की गई।
- 1905: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने ब्रिटेन वस्तुओं के बहिष्कार का आवान किया।
- 1941: नोबेल पुरस्कार विजेता गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर का निधन।
- 1944: पहला कैलकुलेटर 51 फीट लंबी, 8 फीट उंची और पांच टन वजन की एक विशाल मशीन का निर्माण।
- 1947: मुंबई ननि को बिजली, परिवहन व्यवस्था औपचारिक रूप से हस्तांतरित
- 1960: आइवरी कोस्ट को फ्रांस के अधिकार से आजादी मिली।

1972: युगांडा के नेता इदी अमीन ने एशियाई मूल के लोगों को 90 दिन के भीतर देश छोड़कर चले जाने का आदेश दिया।

देश के युवा को बड़ा लक्ष्य बनाना होगा : डॉ. दिनेश शर्मा

अकर्मण्य रहकर कुछ भी प्राप्त नहीं हो सकता सच्चे अर्थों में वही युवा है जिसमें उत्साह, उमंग एवं कुछ कर गुजरने की चाह हो : डॉ. दिनेश शर्मा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल कोइराजपुर, हरहुआ, वाराणसी में चल रहे अन्तर्विद्यालयी युवा संसद विमर्श- 2023 के भव्य आगाज के बाद समापन एवं अलंकरण समारोह में भी विद्यार्थियों का पूरा जोश एवं उत्साह दिखाई दिया` आज समापन एवं अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश शर्मा (एमएलसी, पूर्व उप-मुख्यमंत्री उत्तर-प्रदेश सरकार) की गरिमामयी उपस्थिति से सभी आह्लादित हुए। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि अकर्मण्य रहकर कुछ भी प्राप्त नहीं हो सकता सच्चे अर्थों में वही युवा है जिसमें उत्साह, उमंग एवं कुछ कर गुजरने की चाह हो` आज के युवा को बड़ा लक्ष्य बनाना होगा तभी देश का भविष्य सुदृढ़ होगा। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे अधिवक्ता सर्वोच्च न्यायालय ईशकरन सिंह भंडारी ने विद्यार्थियों की विभिन्न कमेटियों के मध्य जाकर उनका उत्साह बढ़ाया उन्होंने कहा कि कानून और मताधिकार का सही उपयोग होना चाहिए एवं वर्तमान कुरीतियों को किसी भी हाल में आगे नहीं जाना चाहिए` इस विशेष अवसर पर संस्था सचिव राहुल सिंह ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि के साथ-साथ उपस्थित सभी गणमान्य जन के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की उन्होने राजनीति एवं राष्ट्रनीति का अन्तर स्पष्ट करते हुए कहा कि देश को बौद्धिक रूप से सशक्त एवं समृद्ध नेता की ही आवश्यकता है। आज के कार्यक्रम में वृहद युवा संसद की कुल 11 समितियों के अन्तर्गत विद्यार्थियों ने त्वरित बुद्धि पर आधारित अपने सुनियोजित अनुसंधान तथा तथ्यों को प्रस्तुत किया साथ ही साथ इस बात का भी आँकलन किया गया कि वे अपने अकाट्य तर्क के साथ किस तरह अपनी कमेटी को निष्कर्ष तक ले जाते हैं और उन्हें कितने लोगों का समर्थन प्राप्त होगा इस युवा संसद में अलग- अलग 11 कमेटियों में बेस्ट डेलिगेट, हाई कमन्डेशन, स्पेशल मेन्शन एवं वर्बल मेन्शन के लिए सभी को पुरस्कार दिया गया। इस कार्यक्रम में संयुक्त शिक्षा निदेशक रामशरण सिंह एवं चेतनारायण सिंह (पूर्व एमएलसी) की उपस्थिति प्रेरणादायी रही जगाना देश है अपना गीत के बोल एवं सुन्दर नृत्य प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया संस्था की निदेशिका डॉ. वन्दना सिंह एवं प्रधानाचार्या डॉ. नीलम सिंह ने सभी प्रतिष्ठित विद्यालय के प्रतिभागियों एवं शिक्षकों के प्रति उनके सहयोग हेतु विशेष आभार जताया सह-निदेशक आयुष्मान सिंह ने कहा कि इस वृहद युवा संसद की परिकल्पना को सार्थक करने में हमारे मीडिया बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा है जिसके लिए उन्होंने विशेष धन्यवाद दिया।

"सांसे हो रही है कम आओ पेड़ लगाएं हम"- उप प्रधानाचार्य आकाश यादव

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। शान्ति पब्लिक स्कूल के छात्र छात्राओं ने विद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण किया। बताते चलें कि पर्यावरण को देखते हुए विद्यालय की तरफ से छात्र-छात्राओं ने यह संकल्प लिया कि हरा भरा हो आजमगढ़ अपना, हम सब ने ठाना है पर्यावरण है बचाना इस उद्देश्य के साथ आम, अमरुद साहित अन्य बृक्ष लगाकर वृक्षारोपण किया गया।विद्यालय के उप प्रधानाचार्य आकाश यादव ने बताया कि विद्यालय के द्वारा समय-समय पर वृक्षारोपण का कार्य किया जाता है हम लोगों ने उस जगह का चयन किया जहां पर विद्यालय के छात्र-छात्राएं अपने पठन-पाठन का कार्य करते हैं यह वृक्ष जब बड़े हो जाएंगे तो हमें छाया भी प्रदान करेंगे इसलिए हम सभी लोग एक नारा -सांसे हो रही है कम, आओ पेड़ लगाएं हम की मुहीम के साथ वृक्षारोपण किया गया। उन्होंने छात्र-छात्राओ एवं क्षेत्र के लोगों से कहाकि अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें ,ताकि पर्यावरण हमारा संतुलित रह सकें। वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त अध्यापक एवं अध्यापिका लगी रही।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एनडीआरएफ बचाव कर्मियों के साथ चिकित्सीय टीम लगातार तैनात

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वाराणसी में सावन महोत्सव पर श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में आस्था का मेला उमड़ा हुआ है और देश के कोने- कोने से शिव भक्त काशी पहुंचे रहे हैं सावन के प्रत्येक सोमवार को औसतन छह लाख भक्त श्री काशी विश्वनाथ का दर्शन कर रहे हैं। मनोज कुमार शर्मा, उप महानिरीक्षक ने बताया कि पुरे सावन भर श्रद्धालुओं की सुगम और सुरक्षित तरीके से दर्शन करने के लिए एनडीआरएफ बचाव कर्मियों को वाटर एम्बुलेंस, गोताखोर, पैरामेडिक्स, डीप डाइविंग सेट, लाइफ जैकेट, लाइफ बॉय व अन्य बचाव उपकरणों के साथ सभी प्रमुख घाटों पर तैनात किया गया है एनडीआरएफ के बचाव कर्मी रेस्क्यू मोटर बोट एवं वाटर एम्बुलेंस से श्रद्धालुओं के सुरक्षा हेतु गंगा जी मे लगातार पेट्रोलिंग कर रहे है तथा अधिक गहरे पानी वाली जगहों को चयनित कर श्रद्धालुओं को वहां ना जाने की हिदायत दी जा रही है इसके ही साथ एनडीआरएफ के द्वारा पुरे सावन महोत्सव के लिए काशी विश्वनाथ कॉरिडोर मे चिकित्सा शिविर भी लगाया गया है एवं जरूरतमंद श्रधालुओं को चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है। वाराणसी में गंगा का जलस?तर लगातार बढ़ रहा है दशाश्वमेध घाट एवं राजघाट घाट मे 01-01 टीम बाढ़ राहत तथा सावन महोत्सव हेतु तैनात है वाराणसी जनपद और आसपास के क्षेत्रों के लिए चार टीमें सभी संसाधनों के साथ तैयारी हालत में वाहिनी मुख्यालय में बाढ़ राहत-बचाव ऑपरेशन हेतु मौजूद है।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण ने चलाया पर ड्रॉप मोर क्रॉप योजना

प्रखर जौनपुर। जिला उद्यान अधिकारी डॉ सीमा सिंह राणा ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के पोर्टल www.upmip.in पर किसानों के लिए एक नई योजना की शुरूआत की है, इस योजना का लाभ लेकर के पात्र कृषक लोग कम पानी में अधिक उत्पादन कर सकते हैं, इसलिए इस योजना का नाम पर ड्रॉप मोर क्रॉप माइक्रो इरीगेशन योजना रखा गया है, ड्रिप मिनी एवं माइक्रो स्प्रिंकलर पर लघु एवं सीमांत कृषकों को 90 प्रतिशत व अन्य कृषकों को 80 प्रतिशत तथा पोर्टेबल रेन गन स्प्रिंकलर पर लघु सीमांत कृषकों को 75 प्रतिशत व अन्य को 65 प्रतिशत लाभ दिया जाएगा, इसके लिए पात्रता के लिए सिंचाई का साधन उपलब्ध होना आवश्यक है, आधार कार्ड , भू अभिलेख, व बैंक खाता धारक के नाम हो। प्रेषक करने के सक्षम पात्र लोगो के लिए पिछले 7 वर्षों में ऐसी किसी भी योजना का लाभ न लिया गया हो ,प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर चयन होगा, इसमें इस साल 2001 हेक्टेयर भूमि को अधिकृत किया गया है, यानी इतने हेक्टर जमीन के कृषकों को योजना का लाभ देने के लिए अधिकृत किया गया है, इससे लाभ होगा कम पानी में अधिक उत्पादन, जल की बचत होगी, मैनपावर की बचत होगी, समय की बचत होगी, बिजली की बचत होगी, ऊंची नीची जमीन के लिए भी उपयोगी है, फर्टिलाइजर से बचत, पानी के साथ ही उर्वरक कीटनाशक एवं खरपतवार, नाशक आदि का छिड़काव आसान होगा।

मणिपुर के हालात, महंगाई, बेरोजगारी, गरीबों पर जुल्म के खिलाफ भूख हड़ताल शुरू

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष 50 घंटे की सामूहिक भूख हड़ताल, भाकपा माले, अखिल भारतीय किसान महासभा, अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर सभा, ऐपवा, इनौस के तत्वावधान में आज दिनांक 07 अगस्त से भाकपा माले केन्द्रीय कमेटी सदस्य कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा, ऐपवा जिला अध्यक्ष कामरेड चन्द्रावती बिन्द, रूदल कुशवाहा, रामबदन बिन्द, रामायन बनवासी, मुसाफिर बनवासी का सामुहिक भूख हड़ताल जारी शुरू हुआ। सामुहिक भूख हड़ताल का नेतृत्व कर रहे भाकपा माले केन्द्रीय कमेटी सदस्य कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि प्रदेश में ध्वस्त कानून व्यवस्था का विरोध करने वाले हमारी पार्टी के नेताओं पर थाना खानपुर में फर्जी मुकदमा दर्ज कर उत्पीड़न किया जा रहा है। जिस पर तत्काल पार्टी का प्रतिनिधिमंडल पुलिस अधीक्षक से मिला जिसमें जांच कराकर फर्जी मुकदमा वापस लेने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन आज तक मुकदमा वापस नहीं हुआ। थाना नगसर हाल्ट की पुलिस ने दिनांक 25 जून 2023 को ग्राम बभनौलिया के गोरख बनवासी और मंगरू कनौजिया को एक फर्जी मामले में घर से गिरफ्तार कर थानाध्यक्ष समेत अन्य पुलिस कर्मियों ने बर बर पिटाई कर अधमरा कर मरने की स्थिति में गांव के बाहर फेंक दिए। थाना सुहवल के अन्तर्गत ग्राम गरुवा मकसूदपुर के युवा नेता जयप्रकाश के ऊपर स्थानीय पुलिस ने दबंगों के प्रभाव में आकर फर्जी ढंग से गुण्डा एक्ट की कार्यवाई कर रही है। दुशरी ओर बड़े बड़े माफिया खुलेआम घुम रहे हैं और कानून की धज्जियां उड़ा रहे है। बाप दादा के जमाने से बसे दलित बनवासी एवं अन्य समाज के कमजोर लोगों को घरौनी का कगज देने के बजाय भाजपा सरकार गरीबों के घरों पर बुलडोजर चला रही है। गाजीपुर में किसानों की परम्परागत पोस्ते की खेती थी जो आज के दौर में सरकार की गलत नीतियों के कारण पुरी तौर पर समाप्ति की ओर है। जिले में आज पोस्ते की खेती किसानों की जरूरत की खेती है जो किसानों को मिलनी चाहिए। सामुदायिक भूख हड़ताल पर सभा को प्रमुख रूप से कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा, शशिकांत कुशवाहा, योगेन्द्र भारती, राजेश बनवासी, मंजू गोंड, चन्द्रावती बिन्द, मोती प्रधान, कमलाकर राम, विजय कुमार, विजय बनवासी, श्यामप्यारी, अभिनायक, रामनेत नेताजी, प्रमोद कुशवाहा, मनोज कुशवाहा आदि लोगों ने सम्बोधित किया सभा की अध्यक्षता कमलाकर राम व संचालन योगेन्द्र भारती ने किया।

पीजी कालेज में स्नातक स्तर पर प्रवेश हेतु द्वितीय काउन्सलिंग की सूची जारी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर में स्नातक स्तर बीए, बीएससी गणित एवं जीवविज्ञान, बीएससी कृषि पर प्रवेश हेतु द्वितीय काउन्सलिंग की सूची जारी हो गयी है। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ०राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने स्नातक स्तर पर प्रवेश हेतु द्वितीय काउन्सलिंग की जानकारी देते हुए बताया कि प्रवेश हेतु सफल अभ्यर्थियों की द्वितीय काउन्सलिंग हेतु मेरिट सूची कक्षावार श्रेणी व आरक्षण के अनुसार जारी की गयी है।

प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित सफल अभ्यर्थियों को प्रवेश हेतु कालेज की वेबसाइट पर सूची अपलोड कर दी गयी है। प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थी प्रवेश हेतु अपना आवेदन 05 अगस्त 23 से 08 अगस्त 23 तक आनलाईन आवेदन पत्र भर सकते हैं। अभ्यर्थी आनलाईन भरे गए आवेदन -पत्र डाउनलोड कर आवश्यक अभिलेखों की मूल प्रति के साथ कालेज में काउन्सलिंग समिति के समक्ष 08 अगस्त 2023 से 10 अगस्त 2023 तक सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे तक काउन्सलिंग समिति के समक्ष जमा करेंगे। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी निर्धारित समयानुसार प्रवेश आवेदन-पत्र व शुल्क जमा न करने पर उक्त सीट रिक्त मानी जायेगी और पुनः प्रवेश हेतु उन्हें कोई अवसर प्रदान नहीं किया जायेगा। प्रवेश हेतु जारी मेरिट सूची से रिक्त सीटों पर उक्त मेरिट सूची से नीचे के अभ्यर्थियों को प्रवेश हेतु अवसर प्रदान किया जायेगा। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने प्रखर पूर्वांचल को बताया कि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर ने प्रवेश में डिजिटल इण्डिया एवं पूर्ण पारदर्शिता की नीति अपनाते हुए आनलाईन काउन्सलिंग की व्यवस्था की गयी है। आनलाईन काउन्सलिंग द्वारा अभ्यर्थी अपने घर बैठे पूर्ण पारदर्शिता के साथ प्रवेश आवेदन- पत्र भर सकते हैं।

प्राचार्य प्रोफेसर पाण्डेय ने सम्मानित अभिभावकों से अपील की है कि समय रहते अपने पाल्यों का आवेदन-पत्र आनलाईन भरवाकर सम्बन्धित अभिलेखों की मूल- प्रति के साथ काउन्सलिंग समिति के समक्ष प्रस्तुत/जमा करने में सहयोग करें। प्रवेश के लिए सभी प्रक्रिया आनलाईन है। इसलिए कोई अभ्यर्थी व अभिभावक किसी बिचौलिए के झांसे में न आए और न ही किसी को प्रवेश करा देने के नाम पर कोई धनराशि या घूस दे। यदि किसी को प्रवेश करा देने के नाम पर कोई धनराशि या घूस दी जाती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सम्बन्धित अभ्यर्थी एवं अविभावक की ही होगी।

सीएमओ ने टीके की डोज पिलाकर किया मिशन इंद्रधनुष का शुभारंभ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हाथीखाना पर सोमवार को सघन मिशन इंद्रधनुष के तहत पहले चरण का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देश दीपक पाल ने किया। इस अवसर पर पीएचसी पर आयोजित नियमित टीकाकरण सत्र में सीएमओ और जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ एसके मिश्रा ने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई । साथ ही मीजिल्स-रूबेला की दूसरी डोज भी लगाई गई। इसके अतिरिक्त समस्त 16 ब्लॉक स्तरीय सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी अभियान की शुरूआत हुई। सीएमओ डॉ पाल ने कहा कि नियमित टीकाकरण अभियान में किसी कारणवश छूटे पांच वर्ष तक के बच्चों व गर्भवती को प्रतिरक्षित करने के लिए अभियान का पहला चरण सोमवार से शुरू हुआ। यह चरण जनपद भर में 12 अगस्त तक चलेगा। सीएमओ ने परिजनों से अपील की कि वह अपने बच्चे का टीकाकरण कराएं और आसपास के लोगों को बच्चों का टीकाकरण कराने के लिए प्रेरित करें। कोई भी बच्चा छूटा हो तो उसका टीकाकरण अवश्य कराएं। सभी टीके पूर्ण रूप से सुरक्षित हैं। टीका लगने के बाद सामान्य बुखार हो सकता है , इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा गंभीर स्थिति या प्रतिकूल प्रभाव से निपटने को रैपिड रिस्पांस टीम तैयार की गई है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने सैदपुर पीएचसी के अंतर्गत आयोजित टीकाकरण सत्रों का दौरा किया। उन्होंने बताया कि आईएमआई 5.0 के पहले चरण के लिए जिले के छूटे पांच वर्ष तक के 1500 बच्चों और 100 गर्भवती को टीकाकरण के लिए चिन्हित किया गया है। सोमवार को लगभग 369 टीकाकरण सत्र आयोजित किए गए। अभियान में बच्चों को प्रमुख रूप से मिजिल्स-रूबेला का टीका लगाया जाएगा। साथ ही गर्भवती को टिटनेस-डिप्थीरिया का टीका लगाया जाएगा। यह टीका गर्भवती को दिये जाने से उनका व उनके गर्भस्थ शिशु का टिटनेस व डिप्थीरिया (गलाघोंटू) रोग से बचाव करता है। इसके साथ ही बच्चों को 11 बीमारियों से बचाव के लिए टीका लगाया जाता है जिनमें डिप्थीरिया, काली खांसी, टिटेनस, पोलियो, क्षय (टीबी), हेपेटाइटिस-बी, मैनिंजाइटिस, निमोनिया, हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप-बी संक्रमण, डायरिया रोटा वायरस और खसरा-रूबेला शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आईएमआई 5.0 का दूसरा चरण 11 से 16 सितंबर और तीसरा चरण नौ से 14 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। इस मौके पर एसीएमओ डॉ मनोज कुमार सिंह, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, नगरीय स्वास्थ्य समन्वयक अशोक कुमार, यूनिसेफ से डीएमसी बलवंत सिंह, चाई से मणि शंकर, यूएनडीपी से प्रवीण उपाध्याय, चिकित्सक, एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे। पाँच साल - सात बार, टीका न छूटे एक भी बार - टीकाकरण एक सतत प्रक्रिया है जो कि बच्चे के जन्म से लेकर पांच वर्ष की आयु तक संपादित की जाती है।

सावन के सोमवार पर समाजसेवी एवं सपा नेता लक्ष्मीकांत मिश्रा उर्फ किसमिस गुरु के नेतृत्व में फलाहार का वितरण किया गया

प्रखर वाराणसी। समाजसेवी एवम सपा नेता लक्ष्मीकांत मिश्रा उर्फ किसमिस गुरु के नेतृत्व में सावन अधिकमास में पांचवे सोमवार को कांवरियों श्रद्धालुओं को विभिन्न तरह के फलाहार का वितरण किया गया। लक्ष्मीकांत मिश्रा उर्फ किसमिस गुरु ने बताया मेरे तीनों बच्चे आदेश, आदित्य और अदिति मिश्रा हर साल अपने गुल्लक के जमा पैसों से जनसेवा के भाव से श्रद्धालुओं में फलाहार बांटते रहते हैं। इसी क्रम में आज हजारों कांवरियों और श्रद्धालुओं में विभिन्न तरह के फ्लाहर का वितरण किया जा रहा है। हमारा प्रयास है की ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालुओं और कांवरियों के बीच प्रसाद रूपी फलाहार बांट सकूं। फलाहार वितरण में प्रमुख रूप से लक्ष्मी कांत मिश्रा किसमिस गुरु, वरुण सिंह, राहुल यादव,बलवंत सिंह, कमल तिवारी, बबलू तिवारी, प्रमोद शुक्ला, बल्ली गुप्ता, मुजीब भाई, बिरजेश कपूर, खुर्सिद भाई ,गोपाल यादव, सानु मालवीय, रवि अरोड़ा ,अनुप खन्ना, राजु मेघनानी, संजय दुबे, बबलु यादव, गोविंद यादव, बोदे यादव, संजय यादव, मोदसिर भाई रहे।

संक्षिप्त खबरें

मो0 खालिद शमीम बने ड्रग डीलर्स वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार को ड्रग डीलर्स वेलफेयर सोसायटी नंदगंज के कार्यसमिति के गठन की प्रक्रिया गाजीपुर से आए चेयर मैन अजय सरार्फा की अध्यक्षता में केमिस्टो की बैठक नंदगंज में संपन्न हुई। जिसमे सभी पदो पर निर्विरोध चुनाव हुआ। जिसके अनुसार अध्यक्ष मुहम्मद खालिद शमीम, उपाध्यक्ष चंद्रभान, महामंत्री फहीम अख्तर, कोषाध्यक्ष मनोज बरनवाल, संयुक्त मंत्री अवधेश कुमार के साथ कार्यकारणी के सदस्य चुने गए। चुनाव में जिले के पदाधिकारियों में अध्यक्ष राम अवतार सिंह यादव, महामंत्री अश्वनी राय, चंद्रप्रकाश तिवारी, प्रदीप कुशवाहा, धीरज गुप्ता, राम आशीष प्रजापति आदि लोग उपस्थित रहे। लोगो ने संगठन को मजबूत बनाने पर बल दिया और कहा कि मेडिकल स्टोर के भाईयो की कोई भी समस्या रहेगी उसका समाधान करेगे। अंत में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुवे शुभ कामनाएं दी।

सघन मिशन इंद्र धनुष कार्यक्रम का हुआ शुभारम्भ

प्रखर जलालपुर जौनपुर। जलालपुर क्षेत्र के रेहटी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में तीन माह तक चलने वाले टीकाकरण को लेकर सघन मिशन इंद्र धनुष कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। सोमवार को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मछ्लीशहर जिला उपाध्यक्ष बृजेश सिँह ने फीता काटकर सघन मिशन इंद्र धनुष कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेहटी अधीक्षक डाक्टर आलोक कुमार सिँह ने कहा कि इस कार्यक्रम के दौरान तीन महीने तक अभियान मे अगस्त माह के सात से बारह अगस्त, सितंबर ग्यारह से सोलह सितंबर और अक्टूबर माह मे नव अक्टूबर से चौदह अक्टूबर तक चलाया जायेगा।शून्य से पांच साल तक के बच्चे व गर्भवती महिलाओ को टीकाकरण से वंचित रह गये हैं उन्हें इस अभियान के तहत चिन्हित कर टीका लगाया जायेगा। शुभराम्भ के दौरान उपस्थित लोगों मे रमेश सिँह, शैलेन्द्र सिँह, डाक्टर विनय सिँह, राकेश चौबे, आशुतोष सिँह,शैलेन्द्र सिँह,स्वपन सिँह, प्रदीप तिवारी

विजय राव बनाए गए सुभासपा के प्रदेश प्रवक्ता

प्रखर फाजिलनगर कुशीनगर। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के दिशा निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष युवा मंच अमरजीत बिंद ने विजय कुमार राव को सुभासपा का प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति से पार्टी के कार्यकताओं और प्रशंसकों ने काफी खुशी का इजहार किया है। विकास खंड फाजिलनगर के ग्रामसभा गडहिया निवासी शिक्षक व पत्रकार विजय कुमार राव को सुभासपा का प्रदेश प्रवक्ता बनाया गया है। यह अपनी लेखनी के लिए जनता में काफी लोकप्रिय रहते हैं। प्रवक्ता बनाए जाने पर श्री राव ने कहा कि पार्टी ने मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है उसपर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। साथ ही पार्टी की नीतियों और इसके विचारों को प्रमुखता से प्रदेश व देश के जनता के समक्ष रखने का काम करूंगा। इनके प्रवक्ता बनाए जाने पर पूर्व मंत्री डॉ अरविंद राजभर, प्रदेश प्रवक्ता अमित कुमार सिंह, विधायक बलिया हंशु राम, राष्ट्रीय प्रवक्ता पियूष मिश्रा, प्रदेश महासचिव वेदप्रकाश राजभर, पूर्व विधायक रामानंद बौद्ध, प्रदेश उपाध्यक्ष अमर मणि कश्यप, जिलाध्यक्ष प्रदीप राव, पत्रकार आद्या सिंह, पत्रकार असफाक अंसारी, पत्रकार दिनेश सिंह, पत्रकार बागिश सिंह, ज्ञानप्रकाश सिंह, जिलामीडिया प्रभारी पप्पू राजभर, प्रदीप यादव, अजय राय, कामरान अंसारी, सुहेल अंसारी आदि लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

जल चढ़ाने निकला किशोर लापता, परिजन परेशान

प्रखर पिंडरा वाराणसी। घर से काशी विश्वनाथ मंदिर से जल लेकर त्रिलोचन महादेव मंदिर के लिए निकला 14 वर्षीय किशोर 17 दिन बाद भी घर न पहुचने से परिजन परेशान है और पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। चुप्पेपुर फूलपुर निवासी पिता चंद्रशेखर पटेल ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया कि उसका 14 वर्षीय पुत्र अनुज कुमार पटेल घर पर था। इसी बीच सड़क पर डीजे के साथ काँवर लेकर जा रहे लोगों के साथ वह भी बोल बम का शर्त पहने चला गया। काशी विश्वनाथ मंदिर में जल चढ़ाने फिर वहा से जल लेकर त्रिलोचन महादेव मंदिर त्रिलोचन जौनपुर पहुचा लेकिन उसके बाद घर नही लौटा। पिता के मुताबिक वह हल्का मानसिक रूप से विक्षिप्त है। परिजन गुमसुदगी की रपट दर्ज कराने के बाद थाने के अलावा सूचना मिलने पर जगह जगह ढूढ रहे हैं। बेहद गरीब परिवार के होने के नाते कई लोगों ने मदद के लिए हाथ भी पीड़ित परिवार के लिए उठाया और ढूढने में आर्थिक मदद भी कर रहे हैं लेकिन 17 दिन बीतने के बावजूद कही सुराग न मिलने पर परिजन अनहोनी की आशंका में परेशान है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं